A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 77, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत को अब जरूरत है हाइब्रिड एविएशन मॉडल की

अजय मल्लारेड्डी

दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो की गड़बड़ी से हजारों यात्री फंस गए और उनकी छुट्टियां खराब हो गईं' खराब कम्युनिकेशन और कमजोर इमरजेंसी प्लानिंग के लिए एयरलाइन काफी हद तक दोषी है, लेकिन सिर्फ इंडिगो को कोसने या सीधे-सीधे जबरन वसूली के आरोपों से असली सच्चाई सामने नहीं आती' जो फेल हुआ, वह सिर्फ एक एयरलाइन नहीं थी, बल्कि एक कमजोर अल्ट्रा-लीन ऑपरेटिंग मॉडल था जो एक सख्त रेगुलेटरी झटके से टकरा गया। इंडिगो प्लानिंग में फेल हो गई। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) इस प्रोसेस में फेल हो गया। यात्रियों को दोनों की कीमत चुकानी पड़ी।

इंडिगो ग्लोबल एविएशन में सबसे लीन शेड्यूल में से एक चलाती है। विमान दिन में 14 घंटे तक उड़ते हैं, जिसमें बहुत कम स्टैंडबाय क्रू और बहुत कम टर्नअराउंड टाइम होता है। लीन मॉडल स्थिर स्थितियों में काम करता है; जब दिक्कतें बढ़ती हैं, तो लीन मॉडल कमजोर हो जाता है। यह कमजोरी तब सामने आई जब डीजीसीए के रिवाइज्ड फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) का फेज 2, 1 नवंबर 2025 को लागू हुआ। नए नियमों ने आधी रात से सुबह 6 बजे के बीच की किसी भी ड्यूटी को नाइट ड्यूटी के रूप में फिर से परिभाषित किया, रात में लैंडिंग की अनुमति छह से घटाकर दो कर दी, और अनिवार्य साप्ताहिक आराम 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया। तीन से ज्यादा नाइट ड्यूटी करने वाले पायलटों के लिए यह बढ़कर 60 घंटे हो गया। ये दुनिया की सबसे सख्त सीमाओं में से हैं, जो FAA पार्ट 117 या बेसलाइन EASA नियमों से भी ज्यादा हैं।

इसका असर तुरंत हुआ। इंडिगो की ऑन-टाइम परफॉर्मेंस अक्टूबर में 84 प्रतिशत से गिरकर नवंबर में 68 प्रतिशत हो गई, साफ मौसम में ही 1200 से ज़्यादा उड़ानें रद्द हो गईं-कोहरे के आने से बहुत पहले। अकेले 5 दिसंबर को 1000 से ज़्यादा उड़ानें रद्द हो गईं और देश भर में हज़ारों लोग फंस गए।

एक नियम ने खास तौर पर कहर बरपाया: कोई भी ड्यूटी जो आधी रात को पार करती है, भले ही कुछ मिनटों के लिए, वह नाइट ड्यूटी बन जाती है और उसमें दो लैंडिंग की सीमा होती है। 25 मिनट की मामूली देरी इसे आधी रात के बाद धकेल देती है, जिससे पूरे सीक्वेंस को 'नाइट' के रूप में फिर से क्लासिफाई किया जाता है और तुरंत दो-लैंडिंग की सीमा का उल्लंघन होता है–पायलट पहले ही दो लैंडिंग पूरी कर चुका होता है, इसलिए तीसरी लैंडिंग अवैध हो जाती है। आधी रात को कोई स्टैंडबाय क्रू उपलब्ध न होने के कारण, उड़ान आमतौर पर रद्द कर दी जाती है, और अगले दिन के रोटेशन गड़बड़ा जाते हैं। एक बार ठीक होने वाली देरी पूरे सिस्टम की विफलता में बदल जाती है।

अन्य क्लॉज़ ने नुकसान को और बढ़ा दिया। नाइट-ड्यूटी की बढ़ी हुई परिभाषा का मतलब था कि हज़ारों ड्यूटी अचानक नाइट ऑपरेशन के रूप में गिनी जाने लगीं। पायलट तीन-रात की सीमा तक तेज़ी से पहुंच गए, जिससे 60 घंटे के आराम के ब्लॉक शुरू हो गए, जिसने रातों-रात इंडिगो के पतले स्टाफिंग बफर को खत्म कर दिया। एक अलग नियम ने अनिवार्य आराम के साथ छुट्टी को ओवरलैप करने से रोक दिया–जिसका मतलब है कि, क्योंकि छुट्टी नए अनिवार्य आराम की अवधि के साथ ओवरलैप नहीं हो सकती है, इसलिए एक दिन की छुट्टी अब एक पायलट को दो या उससे ज़्यादा दिनों के लिए रोस्टर से हटा देती है। FAA और EASA जैसे ग्लोबल रेगुलेटर आराम और छुट्टी को एक साथ होने की अनुमति देते हैं; भारत का मूल तरीका असामान्य रूप से कठोर था। इंडिगो को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ क्योंकि उसका नेटवर्क अनोखे तरीके से जोखिम में है। यह भारत में सबसे ज़्यादा विमान उपयोगिता संचालित करती है, जिसमें देर शाम और सुबह की उड़ानों का एक बड़ा हिस्सा है जो अब रात की सीमाओं को ट्रिगर करता है। इंडिगो देश में सबसे पतला पायलट बफर भी चलाता है–छोटे प्रतिद्वंद्वियों के 12-13 पायलट प्रति विमान की तुलना में लगभग 10 पायलट प्रति विमान।

कुछ लोग इंडिगो के बाज़ार प्रभुत्व को दोष देते हैं। साइज ने केवल दृश्यता को बढ़ाया; इसने संकट पैदा नहीं किया। कैंसलेशन कानूनी तौर पर उपलब्ध पायलटों की अचानक कमी के कारण हुए, न कि मोनोपॉली पावर की वजह से। दूसरे लोग दावा करते हैं कि इंडिगो ने रेगुलेटर पर दबाव डालने के लिए यह सब जानबूझकर किया। यह थ्योरी मानने लायक नहीं है: कोई भी एयरलाइन जानबूझकर अपना रेवेन्यू और इज्जत खराब नहीं करती। जब FAA ने 2014 में थकान के सख्त नियम लागू किए, तो जेटब्लू और साउथवेस्ट जैसी अमेरिकी एयरलाइंस को सालों पहले नोटिस मिलने के बावजूद सैकड़ों तत्काल कैंसलेशन और हजारों देरी का सामना करना पड़ा था।

पायलट की थकान एक असली समस्या है और इसे मैनेज किया जाना चाहिए, खासकर भारत के रात में ज़्यादा उड़ानों वाले नेटवर्क में। लेकिन थकान की रिपोर्ट सिर्फ़ संकेत हैं, विज्ञान नहीं। FAA और EASA जैसे ग्लोबल रेगुलेटर लिमिट तय करने के लिए बायोमैथमैटिकल मॉडलिंग, नींद पर रिसर्च और पारदर्शी इम्पैक्ट असेसमेंट पर निर्भर रहते हैं – यह एक ऐसी सख्ती है जिसकी भारत के तरीके में काफी कमी थी।

हालांकि भारत का घना नाइट शेड्यूल कुछ ग्लोबल नियमों की तुलना में ज़्यादा सख्त कंट्रोल को सही ठहरा सकता है, लेकिन ऐसा कोई सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वैज्ञानिक सबूत नहीं है - कोई ट्रायल नहीं, कोई मॉडलिंग नहीं- जो यह दिखाए कि आधी रात के बाद दो लैंडिंग की लिमिट थकान से होने वाली गलतियों को कम करती है। 2008 से ICAO द्वारा सुझाए गए फ्लेक्सिबल फटीग रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम (FRMS) की ओर बढ़ने के बजाय, डीजीसीए ने- सितंबर 2025 में सिर्फ़ ड्राफ्ट FRMS गाइडलाइंस जारी करने के बावजूद - एक सख्त लिमिट लगा दी है जिसका इस्तेमाल दुनिया का कोई भी बड़ा रेगुलेटर नहीं करता है।

भारत को एक हाइब्रिड मॉडल की ज़रूरत है: बायोमैथमैटिकल थकान मॉडल पर आधारित बेसलाइन ड्यूटी लिमिट, जिसे एयरलाइन-विशिष्ट FRMS प्रोग्राम के साथ जोड़ा जाए जो प्रक्रिया के पालन के बजाय डेटा-संचालित सुरक्षा को पुरस्कृत करे। भारत को वैज्ञानिक, डेटा-संचालित रेगुलेशन की ज़रूरत है – न कि मनमाने दखल की। सुरक्षा सिर्फ़ सख्ती से हासिल नहीं होती। इसके लिए रियलिस्टिक मॉडलिंग, फ्लेक्सिबल फटीग रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम और ऐसे नियमों की ज़रूरत है जो सामान्य भारतीय देरी के बावजूद सिस्टम को मज़बूत बनाए रखें। यात्रियों को एक ऐसा एविएशन इकोसिस्टम मिलना चाहिए जो सुरक्षित और भरोसेमंद दोनों हो, न कि ऐसा जो आधी रात होते ही ठप हो जाए।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

दिल ऐसे मुब्तला हुआ
तेरे मलाल में
जुल्फ़ें सफ़ेद हो गईं
उन्नीस साल में
वो ऐसे रो रहा था मेरा हाल
देखकर
आया हुआ हो जैसे किसी
इंतेक़ाल में
इक बार मुझको अपनी
निगेहबानी सौंप दे
उम्रें गुज़ार दूंगी तेरी
देखभाल में
ये बात जानती हूं मगर
मानती नहीं
दिन कट रहा है आज भी
तेरे ख़याल में
वो तो सवाल पूछ के
आगे निकल गया
अटकी हुई हूं मैं मगर
उसके सवाल में।

- हिमांशी बाबरा

प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की कवायद

विश्व स्तरीय शिक्षा के लिए करें प्रयास : सीएम डॉ. यादव

- टास्क फोर्स का गठन शीघ्र
- एरिजोना, पर्ड्यू एवं एशिया यूनिवर्सिटी से मध्यप्रदेश में अध्ययन केन्द्र खोलने के लिये संवाद तेज

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा मध्यप्रदेश में ही उपलब्ध कराई जाए, जिससे उच्च शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों को विदेश जाकर अध्ययन करने की आवश्यकता कम पड़े और स्थानीय स्तर पर ही अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गुणवत्ता का अकादमिक वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गत बुधवार को 'सुशासन भवन' में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में अब निर्णायक कदम बढ़ा रही है। राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आदेश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इस सिलसिले में तेजी से प्रगति हो रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो विश्व विख्यात विश्वविद्यालयों,rizona State University (ASU) और Purdue University के साथ ताईवान की प्रतिष्ठित Asia University से मध्यप्रदेश में अपने अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए सक्रियता से संवाद चल रहा है। इन वर्ल्ड क्लास संस्थानों को उच्च स्तरीय शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक पहचान प्राप्त है। शासन स्तर पर इन विश्वविद्यालयों के शीर्ष प्रबंधन से लगातार बातचीत हो रही है, जिससे संभावनाओं को बेहतर तरीके से मूर्त रूप देने में और तेजी लाई जा सके।

राज्य सरकार की मंशा है कि प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के अध्ययन केन्द्र खुलने से प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और बेहतर होगी। इंजीनियरिंग, एआई, डेटा साइंस, हेल्थ केयर साईस, मैनेजमेंट और नये-नये उभरते तकनीकी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे। साथ ही स्थानीय उद्योगों, स्टार्टअप्स और इनोवेशन इकोसिस्टम को भी उच्च स्तरीय विशेषज्ञता और संयुक्त शोध कार्यक्रमों (ज्वाइंट रिसर्च प्रोग्राम्स) का भी लाभ मिलेगा। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में गठित की जा रही टास्क फोर्स में प्रो. संतोष विश्वकर्मा को अध्यक्ष नामांकित किया जा रहा है। यह टास्क फोर्स अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना से जुड़े सभी तकनीकी, शैक्षणिक और कानूनी पहलुओं का अध्ययन करेगी।

इंडिगो मुआवजे में 10 हजार का ट्रैवल वाउचर देगा

- 3-5 दिसंबर के बीच 'ज्यादा परेशान' पैसेंजर्स को मिलेगा

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो फ्लाइट कैंसिल से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा मुआवजे में ट्रैवल वाउचर भी देगी। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि 3-5 दिसंबर के बीच फ्लाइट कैंसिल से ज्यादा परेशान हुए पैसेंजर्स को 10000 का ट्रैवल वाउचर मिलेगा।

हालांकि इंडिगो ने यह साफ नहीं किया है कि ज्यादा परेशान का मतलब क्या है और किन यात्रियों को यह मुआवजा मिलेगा। एयरलाइन ने बताया कि ट्रैवल वाउचर अगले 12 महीने तक किसी भी इंडिगो फ्लाइट की बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।

कंपनी के अनुसार यह मुआवजा उन 5000-10,000 रुपए के अलावा होगा, जो फ्लाइट उड़ाने के 24 घंटे के अंदर कैंसिल होने पर मिलता है।

इधर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स गुरुवार को जीडीसीए (नागरिक उड्डयन नियामक) के सामने पेश हुए।

- **नया नियम–फ्लाइट उड़ने में 15 मिनट की देरी की जांच होगी–** इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशंस में आई दिक्कतों के बाद तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है। 12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे।

मैं ही साहब हूं... नहीं मुझे, साहब से मिला दो...

बुजुर्ग की बातें सुन हंसते रहे कलेक्टर, वह बार-बार मिलने की जिद करता रहा

दतिया (नप्र)। मुझे साहब से मिला दो.... मैं ही साहब हूं... नहीं मुझे, साहब से मिला दो। दतिया कलेक्टर की जनसुनवाई में एक बुजुर्ग लगातार उनसे यह गुहार लगा रहा था कि मुझे मिला दो।

यह पूरा मामला दतिया कलेक्टर स्वपनिल वानखेड़े से जुड़ा है। जनसुनवाई के दौरान हॉल में बैठकर लोगों की शिकायतें सुन रहे थे। इस दौरान एक बुजुर्ग आकर उन्हीं से कहने लगे कि मुझे साहब से मिला दो।

जनसुनवाई में पहुंचा बुजुर्ग– दरअसल, मध्य प्रदेश में हर मंगलवार को कलेक्ट्रेट ऑफिस में जनसुनवाई होती है। इस दौरान या तो कलेक्टर खुद मौजूद रहते हैं या फिर अन्य अधिकारी रहते हैं। लोग आवेदन लेकर आते हैं और उनकी सुनवाई होती। मंगलवार को एक बुजुर्ग पेंशन की शिकायत को लेकर कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचा था। जनसुनवाई के दौरान दतिया कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े खुद ही मौजूद थे।

मैं ही साहब हूं...

वहीं, बुजुर्ग की बातों को सुनकर कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने कहा कि मैं ही साहब हूं। इसके बाद बुजुर्ग ने दो-तीन बार यह बात दोहराई कि मुझे साहब से मिलना है। कलेक्टर भी हंसते हुए बार-बार कहते रहे कि मैं ही साहब हूं। तब जाकर बुजुर्ग को यकीन हुआ। इसके बाद कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने उनका आवेदन लिया और कहा कि जाइए आपका पेंशन चालू हो जाएगा।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के मन में हमेशा यह बैठा रहता है कि जिले के कलेक्टर किसी बड़े चैंबर में बैठते होंगे। मगर दतिया कलेक्टर साधारण तरीके से लोगों के बीच में कुर्सी पर बैठकर उनकी बातें सुन रहे थे। इसी वजह से बुजुर्ग को यकीन नहीं हो रहा था। स्वप्निल वानखेड़े ने कलेक्टर की कुर्सी संभालने के बाद जिले में कई नवाचार किए हैं। वह खाली वक्त में बच्चों को यूपीएससी की कोचिंग भी देते हैं।

5 राज्य समेत 1 केंद्रशासित प्रदेश में एसआईआर की समय-सीमा बढ़ी

म.प्र-छत्तीसगढ़ में 18, उप्र में 26 तक फॉर्म भर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में 18 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी।

बाकी राज्यों का ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को पब्लिश होगा

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा।

पॉलिटिकल पार्टियों को मिलेगी मृत मतदाताओं की सूची– निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पहले मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित वोटरों की सूची दी जाएगी। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 16 दिसंबर को जारी की जाएगी। इससे पहले आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को हर बूथ के हिसाब से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट वोटरों की सूची तैयार कर बूथ एजेंटों को देने का निर्देश दिया है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27°c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

सुप्रीम कोर्ट बोला- अगर कोरोना महामारी में ड्यूटी पर डॉक्टर ने गंवाई जान...

तो उनके परिजन सरकारी बीमा के लाभ के हकदार

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यह व्यवस्था दी है कि कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी ड्यूटी करते समय जिन डॉक्टरों की मृत्यु हुई, उनके परिजन भी सरकारी बीमा योजना के हकदार हैं चाहे वह डॉक्टर सरकारी ड्यूटी पर न लगाए गए हैं।

लाभ पाने के हकदार हैं वो डॉक्टर्स- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोविड 10 के समय प्राइवेट डॉक्टर की अपनी ड्यूटी के दौरान अगर मौत हुई है तो केंद्र सरकार की बीमा योजना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेजः कोविड-19 से लड़ने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बीमा योजना के तहत उनके परिजन लाभ पाने के हकदार हैं चाहे सरकार द्वारा उन्हें औपचारिक रूप

से ड्यूटी पर (तैनात) न किया गया हो।

बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को किया रद्द- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने बॉम्बे हाई कोर्ट का वह फैसला रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि निजी डॉक्टर के परिजन इस सरकारी बीमा योजना के हकदार नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि डॉक्टरों का requisition सिद्धांत और कानून के तहत घोषित स्थिति के अनुसार था।

- **हमें माफ नहीं करेगा समाज-** जस्टिस नरसिम्हा ने डॉक्टरी पेशे के योगदान पर जोर देते हुए कहा कि अगर हम अपने डॉक्टरों की देखभाल नहीं करेंगे, तो समाज हमें माफ नहीं करेगा। अदालत ने कहा कि वह व्यक्तिगत दावों पर निर्णय नहीं देगी बल्कि कार्यान्वयन के लिए व्यापक सिद्धांत तय करेगी। फैसला सुरक्षित रखते समय अदालत ने संकेत दिया कि दो बातें मुख्य हैं क्या डॉक्टर ने महामारी के दौरान सक्रिय रूप से चिकित्सा सेवाएँ दीं? क्या मृत्यु कोविड-19 संक्रमण के कारण हुई?
- **तेलंगाना के पूर्व विशेष खुफिया ब्यूरो टी प्रभाकर 12 दिसंबर की सुबह करें सरेंडर -** सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश देते हुए तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो के पूर्व चीफ टी प्रभाकर राव को शुक्रवार सुबह 11 बजे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

राहुल ने चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर की नियुक्ति पर सवाल उठाए

- पूछा- एसटी-ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय से कितने उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर (सीआईसी) और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स की नियुक्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों की जातियों पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असहमति जताई। इनकी नियुक्ति को लेकर बुधवार को पीएम मोदी, राहुल और अमित शाह के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डेढ़ घंटे चली मीटिंग हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल ने कुछ हफ्ते पहले सरकार से आवेदकों और चुने गए उम्मीदवारों की जाति की जानकारी मांगी थी। बैठक के पहले सरकार ने नेता प्रतिपक्ष से इसकी जानकारी साझा की।

केजीएमयू में ब्लड कैंसर के मरीजों का भी इलाज होगा

- राज्यपाल ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का शुभारंभ किया

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट शुभारंभ किया। इससे अब यहां ब्लड कैंसर के मरीजों का भी इलाज हो सकेगा। हेमेटोलॉजी विभाग में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट बनाया गया है। 8 बेड की यूनिट मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को संक्रमण से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। हवा से आने वाले फंगस और बैक्टीरिया को रोकने के लिए खास फिल्टर लगाए गए हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- बोन मैरो का इलाज काफी महंगा है।

स्वदेशी ध्रुव हेलीकॉप्टरों का कायापलट होगा

- नेवी, कोस्ट गार्ड बेड़े के लिए बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षकों के बेड़े में शामिल स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों (एएलएच) का कायापलट किए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसके तहत इसके महत्वपूर्ण कल-पुर्जों को अपग्रेड किया जाएगा। इस काम में करीब छह महीने लगेंगे और हर तरह से दुरुस्त हो जाने के बाद ये हेलीकॉप्टर वापस अपने-अपने बेड़े में शामिल किए जाएंगे। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार नौसेना और तटरक्ष दल जिस ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन्हें मैन्युफैक्चरिंग अपग्रेडिंग के लिए भेजा जाएगा।

सतत एवं संवहनीय विकास के लिए ई-मोबिलिटी अहम : उप मुख्यमंत्री

- विश्व के नेतृत्व के लिए विकसित भारत के साथ स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण
- ग्रीन लॉजिस्टिक कॉनक्लेव-2025 के शुभारंभ सत्र में हुए शामिल
- ई-कॉमर्शियल व्हीकल्स को हरी झंडी दिखाकर स्टेक होल्डर्स को किया प्रोत्साहित

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से विकास कर रहा है। वर्ष-2047 तक विश्व का नेतृत्व करने के लिए विकास के सभी आयामों पर कार्य किया जा रहा है। मैनुफैक्चरिंग, सर्विसेज और कृषि सभी क्षेत्रों में सरकार भविष्योन्मुखी योजनाएं ला रही है। विश्व के नेतृत्व के लिए विकसित भारत के साथ स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्राथमिकता है कि विकास सतत एवं संवहनीय हो। ई-मोबिलिटी इसका महत्वपूर्ण अंग है। केंद्र सरकार की मंशानुरूप राज्य सरकार ई-लॉजिस्टिक्स को प्रोत्साहन दे रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में एमपीआईडीसी और सीआईआई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ग्रीन लॉजिस्टिक कॉनक्लेव-2025 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। शुभारंभ सत्र में एमडी एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, सीआईआई के वाईस प्रेसीडेंट श्री महेश पंजवानी, एनएचईवी के प्रतिनिधि सहित इलेक्ट्रिक व्हीकल और लॉजिस्टिक क्षेत्र में कार्य करने वाले औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश व्यापी निरोगी काया अभियान में करोड़ों नागरिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई। जाँच में 30 प्रतिशत नागरिकों में ब्लड प्रेशर, शुगर, डायबिटीज जैसी बीमारियों का चिन्हांकन यह स्पष्ट करता है कि पर्यावरण अनुकूल विकास ही आगे की राह का मार्गदर्शक बन सकता है। आज ई-व्हीकल महंगे लगते हैं, उनकी ऑपरेटिंग कॉस्ट परम्परागत वाहनों से 70 गुना से भी कम है। साथ ही ई-वाहनों की लाइफ परंपरागत वाहनों से दोगुनी होती है। भविष्य में मांग बढ़ने पर इनकी प्रारंभिक लागत भी कम होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ई-व्हीकल प्रोत्साहन के लिए सतत जागरूकता का आह्वान किया। ई-मोबिलिटी के प्रोत्साहन के लिए ई-हाईवे और ई-इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास ई-मोबिलिटी को गति प्रदान करेगा। राज्य शासन इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न निर्माताओं के ई-कॉमर्शियल व्हीकल्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एमडी एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला ने कहा कि स्टेट लॉजिस्टिक एक्शन प्लान में ई-लोजिस्टिक्स को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचनात्मक विकास के लिए सभी स्टेक होल्डर्स के साथ मंथन किया जा रहा है। सिटी एक्शन प्लान भी बनाया जाएगा। उन्होंने समस्त स्टेक होल्डर्स से सुझाव अग्रेषित करने का अनुरोध किया ताकि स्टेट एक्शन प्लान में उन्हें शामिल कर सशक्त ई-मोबिलिटी रणनीति का निर्माण किया जाये। औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने देश, विदेश और प्रदेश में लॉजिस्टिक क्षेत्र में ई-मोबिलिटी की संभावनाओं, अवसरों, अधोसंरचना विकास और पर्यावरण अनुकूल विकास के विभिन्न विषयों पर विचार व्यक्त किए और अपनी अपेक्षाएं व्यक्त की।

प्रदेश की इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट देश में सर्वाधिक, रोजगार के अवसर और उद्योगों के विकास पर जोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सरकार के सफलतम 2 वर्ष पूर्ण होने पर 13-14 दिसंबर को भोपाल और इंदौर में होंगे विशेष कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार के सफलतम 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 13 दिसंबर को भोपाल और 14 दिसंबर को इंदौर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश में सरकार बनने के बाद गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए कई उल्लेखनीय निर्णय लिए गए। राज्य में कृषि के लिए सिंचाई का रकबा दोगुना करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान और कई बड़ी परियोजनाओं के माध्यम से प्रयास जारी हैं। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों के विकास पर जोर दिया जा रहा है। हमारी इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट देश में सबसे अधिक है।

अच्छे कार्य में साथ, लेकिन कुछ गलत होगा तो बर्दाश्त नहीं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में सुशासन पर आधारित व्यवस्थाएं संचालित हों, इसके लिए अच्छे कार्य में सदैव साथ हैं और अगर कहीं भी कुछ गलत होगा तो उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मध्यप्रदेश की धरती से नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में विगत दिनों उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है।

प्रदेश में नक्सलियों का सबसे बड़ा सरेंडर बालाघाट में कराया गया है। भविष्य में नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के लिये रवाना होने से पहले इंदौर में मीडिया से चर्चा कर रहे थे।

गोवा अग्निकांड; लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

- हाथों में हथकड़ी, पासपोर्ट पकड़े तस्वीर आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में ले लिया गया। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी।

संसद के शीतकालीन सत्र में जेपी नड्डा बोले-

कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को नौवें दिन की कार्यवाही जारी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा।

विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी- मणिबेन पटेल की डायरी नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा। राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं। इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए।

उत्तराखंड में झरने जमे, केदारनाथ-बद्रीनाथ का तापमान -13 डिग्री से नीचे

हिमाचल के 28 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे गिरा, मैदानी इलाकों में कोहरा, कुफरी में तेज हवाएं

शिमला (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों की बर्फबारी और हिमालयी क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस बनने से मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ी है। वहीं हिमाचल प्रदेश के 28 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है। लाहौल स्पीति के कुकुमसैरी का पारा माइनस 6.3 डिग्री और ताबो का माइनस 4.6 डिग्री तक लुढ़क गया है। कुल्लू के भुंतर, बजौरा, मनाली, कल्पा और सोलन में भी तापमान जमाव बिंदू के आसपास पहुंच गया है। अधिक ऊंचे क्षेत्रों के साथ साथ मैदानी इलाकों में भी कोहरा पड़ने से ठंड बढ़ी है। हालांकि, शिमला के रात के तापमान में उछाल है। शिमला का रात का पारा सामान्य से 2.7 डिग्री ज्यादा के साथ 9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

वहीं मैदानी इलाकों की रातें शिमला से ठंडी हो गई है। मंडी के सुंदरनगर का तापमान 2.7 डिग्री, कुल्लू के भुंतर का 2.1, ऊना 5.6, पालमपुर 5.0, सोलन 3.0, मनाली 2.3, कांगड़ा 5.4, मंडी 3.7, बिलासपुर 6.5, हमीरपुर 3.9, बरठी 3.9 और बजौरा का तापमान 2.2 डिग्री तक गिर चुका है।

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

राज्यपाल ने न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भगवान सभी जगह नहीं पहुँच पाते हैं, इसलिए उन्होंने चिकित्सक बनायें हैं। भगवान का दूसरा रूप चिकित्सक ही

होता है। सम्मेलन आयोजन की सराहना करते हुए अपेक्षा की है कि चार दिवसीय सम्मेलन का निष्कर्ष समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) द्वारा आयोजित 73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने न्यूरोलॉजी विषय पर दो पुस्तकों का लोकार्पण किया। विद्वान चिकित्सकों को सम्मानित किया। विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि मानव शरीर का मुख्य संचालक मस्तिष्क होता है। मस्तिष्क ही सभी इंद्रियों का नियंत्रणकर्ता है। हमारा मस्तिष्क स्वस्थ और शांत रहे, इस दिशा में न्यूरो सर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट चिकित्सकों की विशेष भूमिका है। न्यूरो सर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट उन्नत चिकित्सा, प्रमाणिक ज्ञान और संवेदनशीलता से मस्तिष्क का ईलाज करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और मन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक तंदुरूस्ती भी जरूरी है। इसके लिए मस्तिष्क का स्वस्थ और शांत रहना बहुत जरूरी है।

हवाई सेवा शुरू होने से विंध्य क्षेत्र को लगेंगे पंख : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

22 दिसम्बर से प्रारंभ हो रही इंदौर-रीवा हवाई सेवा के लिये विंध्यांचल सोशल ग्रुप ने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का जताया आभार

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल गुरूवार इंदौर पहुंचकर रेसीडेंसी कोठी में विंध्य क्षेत्र के नागरिकों से मिले। विंध्यांचल सोशल ग्रुप के सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल का इंदौर-रीवा हवाई सेवा प्रारंभ करने के लिये पुष्पगुच्छ प्रदान कर आभार जताया। इस अवसर पर श्री शुक्ल ने विंध्यांचल सोशल ग्रुप की वेबसाइट का शुभारंभ भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि आगामी 22 दिसम्बर से इंदौर-रीवा हवाई सेवा प्रारंभ की जा रही है। इस सेवा के प्रारंभ होने से विंध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। विंध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिक व्यापार, व्यवसाय एवं शिक्षा की दृष्टि से इंदौर आते हैं। आज यहां करीब एक लाख लोग विंध्य क्षेत्र के निवासरत हैं। हवाई सेवा शुरू होने से उन्हें यह सुविधा मिलेगी। इंदौर-रीवा हवाई सेवा शुरू होने के बाद विंध्य के नागरिक इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए जा सकते हैं।

ट्रक खाई में गिरा, 18 की मौत

जिंदा बचा एक मजदूर 2 दिनों तक पैदल चलकर आर्मी कैंप पहुंचा

हयुलियांग(अरुणाचल) (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के अनजॉ जिले के हयुलियांग इलाके में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक ट्रक खाई में गिर गया। इस हादसे में 21 मजदूरों समेत ड्राइवर व क्लीनर की मौत होने की आशंका है। बचाव दलों को अब तक 18 शव मिल चुके हैं। हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन बाद किसी तरह आर्मी कैंप तक पहुंचा। इसके बाद आज सुबह आर्मी के बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंची।

हादसा 8 दिसंबर की रात हुआ था- इस हादसे में एक व्यक्ति जिंदा बच गया था। हादसे के बाद वह अगले दिन दोपहर को किसी तरह खाई से बाहर निकला और पैदल चलते हुए 10 दिसंबर की रात चिपरा GREF कैंप तक पहुंचा। यहां उसने जवानों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गुरुवार सुबह आर्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

इंदौर से धार होकर मुंबई जाने का नया रास्ता खुलेगा, इससे दूरी भी कम होगी

यह परियोजना इंदौर से वडोदरा के बीच सीधी रेल सेवा प्रदान करेगी

इंदौर। आदिवासी बहुल इलाके धार के लिए लंबे समय से चल रही इंदौर-दाहोद ब्रॉडगेज रेल परियोजना अब करीब आती दिखाई देने लगी है। इसका भूमिपूजन 2008 में हुआ था। 17 साल बाद अब यह परियोजना अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है। यह नई लाइन न केवल इंदौर-मुंबई की दूरी लगभग 55 किमी कम करेगी, बल्कि गुजरात और महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश की कनेक्टिविटी को भी सीधा फायदा मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर पीथमपुर, को माल परिवहन में बड़ी राहत मिलेगी। वहीं धार, झाबुआ जैसे पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों को पहली बार रेल सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय विकास, रोजगार और आवाजाही में बड़ा बदलाव आएगा।

मार्च 2026 तक इंदौर से धार के बीच ट्रेन चलाई जा सकती है। जमीनी स्तर पर हो रहे कामकाज को देखते हुए अनुमान है कि ट्रेनों का संचालन कुछ महीनों और आगे भी खिसक सकता है। रेलवे कंस्ट्रक्शन विभाग का कहना है कि इस परियोजना की सबसे चुनौतीपूर्ण कड़ी टनल निर्माण है जिसे फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अधिकारियों ने बताया कि अब देरी के किसी भी कारण को खत्म करने के लिए दिनवार टाइमलाइन तय करके काम कराया जा रहा है। क्योंकि, पहले टनल ही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी बाधा रही है। यह परियोजना इंदौर से वडोदरा के बीच सीधी रेल सेवा प्रदान करेगी। अभी रेल यात्रियों को रतलाम होकर जाना पड़ता है, ज्यादा समय लगता है। लगभग 1873 करोड़ रुपए लागत वाली इस परियोजना का टीही (21 किमी) और दाहोद से कटवारा (11.30 किमी) का कुल 32.30 किमी हिस्सा पहले ही शुरू हो चुका है। टीही से धार के बीच ट्रैक लिंकिंग और मोबिल फ्लैश वेल्डिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है जबकि इस सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण फरवरी 2026 तक कराने का लक्ष्य रखा गया है।

पटरियों पर दौड़ेगी ट्रेन

टीही क्षेत्र में बन रही 2.95 किमी लंबी टनल परियोजना का अहम हिस्सा है। इसमें से 1.87 किमी कार्य पूरा किया जा चुका है। बाकी हिस्सों में दीवारों की फिनिशिंग, पानी निकासी के लिए 150 और 400 एमएम की पाइप लाइन बिछाने का कार्य जारी है। पूरी टनल में हर 50 मीटर पर मेन होल बनाए गए हैं, जिनके जरिए पानी की निकासी सुनिश्चित की जाएगी। पाइप चोक होने पर मशीनों की मदद से प्रेशर हवा डालकर उन्हें साफ किया जाएगा। इस टनल में बैलास्ट–लेस ट्रैक बिछाने की तैयारी भी लगभग पूरी है।

इसलिए छोड़ा था हिस्सा

तनावपूर्ण और तकनीकी चुनौतियों वाली इस टनल के दोनों छोर पी-1 और पी-2 पर रेलवे ने पहले मटेरियल आवाजाही के लिए हिस्सा खाली छोड़ा था। एक और लगभग 170 मीटर और दूसरी ओर 50 मीटर से अधिक हिस्सा शेष था। बीच का 60 मीटर हिस्सा भी अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अगले दो महीनों में काम ख़त्म हो जाएगा।

दो दिन बाद पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखेगा, ठिठुरा देगी ठंड

इंदौर, भोपाल, सीहोर सहित कई जिलों में मौसम बदलेगा

इंदौर। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक इंदौर में दो-तीन दिन में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट आने वाली है। पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश के ऊपर से जेट स्ट्रीम के रूप में गुजर रहा है। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में भी कमी रहने की संभावना है। एमपी के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, सीहोर, छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में मौसम करवट लेगा। 12 किमी की ऊंचाई पर 200 से 230 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा बह रही है। 13 दिसंबर से नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी हिमालय क्षेत्र से सक्रिय हो रहा है, इसका असर भी रहेगा।

दिसंबर में तापमान में लगातार कमी आ रही है। शहर में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री रहा। अधिकतम तापमान तीन दिनों से 27 डिग्री पर बना हुआ है। दो दिन तीव्र शीतलहर के बाद आज भी शीतलहर का असर रहा। इस कारण ठिठुरन भी बढ़ गई। उत्तरी हवा का असर बढ़ते ही कोहरा भी छाने लगा। नवंबर में सुबह सुबह दृश्यता 4000 मीटर तक रही थी, जो अब 1800 से 2500 मीटर तक पहुंच गई है। शहर के बाहरी क्षेत्र में अधिक कोहरा नजर आ रहा है। विभाग के अनुसार, दो से तीन दिन तक ऐसी ही स्थिति रह सकती है। इंदौर में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री था। मंगलवार को 0.4 डिग्री की बढ़त रही। इंदौर प्रदेश में 5वां सबसे ठंडा शहर रहा।

पचमढ़ी से सिर्फ 1 डिग्री अधिक तापमान शहर में बना हुआ है। प्रदेश में सबसे कम तापमान कल्याणपुर (शहडोल) में 4.7 डिग्री, पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में 5.0 डिग्री, राजगढ़ में 5.6 डिग्री, गिरवर (शाजापुर) में 6.0 डिग्री रहा। वर्तमान में पूर्वोत्तर में जेट स्ट्रीम भी है। यह पृथ्वी से तकरीबन 12 किमी की ऊंचाई पर होती है, जेट स्ट्रीम की लंबाई 500 से 1000 किलोमीटर, चौड़ाई लगभग 50 किलोमीटर और मोटाई दो से तीन किलोमीटर तक हो सकती है। जिसकी हवा ज्यादा तेज होती है। यह हवा ही हवा को और गति देती है।

बिल्डर उत्तम झंवर के साथ मारपीट की

इंदौर। शहर के बड़े बिल्डर्स उत्तम झंवर के साथ उसके रिश्तेदार और दो अन्य लोगों ने जमकर मारपीट की। इस दौरान कार के कार भी फोड़ दिए। घटना में बिल्डर्स को हाथ, पैर, चेहरे पर चोट आई है। पूर्व में भी बिल्डर्स के साथ इस तरह की घटना कारित हो चुकी है। पंढरीनाथ पुलिस को फरियादी उत्तम झंवर निवासी तुकोगंज ने बताया कि वे लंबे समय से परिवार सहित मुंबई शिफ्ट हो गए हैं। उनके कई प्रोजेक्ट इंदौर में विभिन्न साइटों पर चल रहे हैं। इन साइटों को देखने वे कई बार मुंबई से इंदौर आते हैं। पिछले दिनों रिश्तेदार श्रेयस झंवर से उनका प्रॉपर्टी को लेकर विवाद हो गया था। फरियादी के अनुसार, वे दोपहर 12 बजे अपनी साइट पर आए थे। यहां से एयरपोर्ट लौटते समय जवाहर मार्ग पर रुके थे। करीब पौने तीन बजे जैसे ही वे एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए, उनकी कार के सामने श्रेयस, उसके चालक राकेश और एक अन्य साथी अशोक ने रोक लिया। दोनों युवकों ने उत्तम के साथ सड़क पर ही जमकर मारपीट की। राहगीरों ने जैसे-तैसे झंवर को बदमाशों से छुड़ाया। वहां से जाते समय श्रेयश और उसके साथियों ने फरियादी की कार के कांच फोड़ दिए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। शिकायत के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

फाइनेंस एजेंट की साइलेंट अटैक से मौत

इंदौर। इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल फाइनेंस का काम करने वाले एक युवक की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। इसका वीडियो बुधवार को सामने आया। फुटेज में युवक अचानक कुर्सी से नीचे गिरता है, फिर उठ नहीं पाता। यह घटना भंवरकुआं क्षेत्र में मंगलवार दोपहर घटी। 31 साल के शिवनारायण मालवीय तीन इमली चौराहे के पास अजय इंटरप्राइजेज मोबाइल स्टोर पर एक निजी फाइनेंस कंपनी के लिए काम करता था। रोज की तरह वह दुकान पहुंचा था और ग्राहकों का काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। दुकान कर्मचारियों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के शुरुआती जांच में हार्ट अटैक की आशंका जताई गई है।

माहेश्वरी एग्रो सेल्स के कारोबारी पर कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले में सघन गुण नियंत्रण अंतर्गत गत दिवस जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल एवं विकास खण्ड स्तरीय गुण नियंत्रण दल, महू द्वारा संयुक्त रूप से मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रतिष्ठान एवं गोदामों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रतिष्ठान के प्रोप्रायटर रजत अजमेरा द्वारा निमरानी खरगोन में अनुदानित यूरिया का अवैध रूप से परिवहन एवं विक्रय किया जाना पाया गया। जिस पर उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महू के द्वारा मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रोप्रायटर रजत अजमेरा के विरुद्ध पुलिस थाना मानपुर में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके साथ ही अधिसूचित प्राधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला इंदौर द्वारा जारी मेसर्स के उर्वरक लाइसेंस को भी निलंबित कर दिया गया है।

बेसहारा महिला का इलाज कराया

इंदौर। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा ने मानवीय और संवेदनशील कार्यशैली का परिचय दिया। जनसुनवाई में उपचार के लिए आईं बेसहारा वृद्धा भारती ने बताया कि उनका कोई सहारा नहीं है और हालत गंभीर बनी हुई है। इस पर उनकी व्यथा को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही स्वास्थ्य विभाग के देवेंद्र रघुवंशी द्वारा त्वरित कार्रवाई कर महिला को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया।

दोस्ती का जबरदस्ती दबाब बनाया

इंदौर। फॉर्मेसी स्टूडेंट ने रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाने वाले युवक के खिलाफ छेड़छाड़, पीछा करने और धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। स्टूडेंट मूल रूप से दमोह की रहने वाली है और इंदौर में पढ़ाई के लिए होस्टल में रह रही है। भंवरकुआ पुलिस को पीड़िता ने बताया कि मंगलवार रात आरोपी ने राजबाड़ा में रास्ता रोककर फिर से बात करने का दबाव बनाया। अगस्त 2024 में वह भंवरकुआ स्थित आरोपी की दुकान से कपड़े खरीदने गई थी। बाद में कपड़े एक्सचेंज कराने पहुंची। इसी दौरान आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद वह कॉल और मैसेज कर परेशान करने लगा। स्टूडेंट का आरोप है कि आरोपी होस्टल के बाहर खड़ा रहने लगा और आते-जाते उसका पीछा करता था। कुछ महीने पहले उसे समझाने के लिए भोलाराम उस्ताद गार्डन में मुलाकात हुई, जहां आरोपी ने गलत तरीके से छूने की कोशिश की।

होटल में ठहरने से विवाद हुआ

इंदौर। छोटी ग्वालटोली क्षेत्र के होटल में दो युवतियों और दो युवकों ने सोमवार रात 12 बजे चेक-इन किया। चार में से केवल दो ही अपनी पहचान पत्र लेकर आए थे, जबकि दो बिना दस्तावेज के होटल में कमरा दिए जाने को लेकर हिंदू जागरण मंच ने आपत्ति उठाई। हिंदूवादी कार्यकर्ता प्रशांत वर्मा और उनके साथियों ने होटल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, क्राइम ब्रांच भी आई, लेकिन न तो होटल संचालक पर मामला दर्ज हुआ और न ही युवकों-युवतियों से पूछताछ की गई। संगठनों का आरोप है कि बिना पहचान पत्र के कमरे देना होटल नियमों का उल्लंघन है और पुलिस ने मामले को संदिग्ध रूप से दबा दिया।

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने न्यू आरटीओ रोड पर चेकिंग के दौरान तनवीर उर्फ तन्नू नामक युवक को पकड़कर उसके पास से 13.51 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की। उसकी कीमत लगभग 1.30 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे की डिलीवरी देने निकाल रहा था तभी पकड़ा गया। तनवीर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि वह नशा कहां से लाया और शहर में किसे सप्लाई करने वाला था। पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि तस्करी में और कौन लोग शामिल हैं।

बैंक से ज्यादा मुनाफा देने का दावा करके दंपत्ति ने 50 लाख रुपए ठगे

इंदौर। खजराना क्षेत्र में रहने वाले दंपत्ति पर लोगों से लाखों रुपए ठगने का आरोप लगा है। आरोप है कि दंपत्ति ने तंजील इंटरप्राइजेज नाम की फर्म के जरिए निवेश पर दोगुना मुनाफा देने का लालच देकर लोगों से पैसे लिए और बाद में फरार हो गए। पुलिस ने फरियादी शोएब हुसैन सहित सात लोगों की शिकायत पर फर्म के प्रोप्रायटर मोहम्मद तबरेज खान और उनकी पत्नी फिरदोस खान निवासी इलियास कॉलोनी, मोहम्मद नावेद, उबेदुल्ला खान, आरिफ उद्दीन, सैयद आसिफ, मोहम्मद रफीक और फराज खान सहित कई अन्य लोगों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं। तबरेज ने बैंक से ज्यादा मुनाफा देने का दावा किया था। निवेश पर 3 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न और जरूरत पड़ने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त फायदा देने का वादा किया गया। आरोपी ने खुद को लंबे समय से लोडिंग अनलोडिंग के कारोबार में होना बताया और सांवेर रोड स्थित गोदाम दिखाकर भरोसा भी दिलाया। तबरेज ने वॉट्सएप ग्रुप का नंबर दिया, जिसमें 150 लोग जुड़े होने की बात कही गई।

एमवाय अस्पताल में टॉर्च की रोशनी में इलाज करने का वीडियो वायरल

बिजली कटौती से अस्पताल की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

इंदौर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवायएच का एक वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसमें एमवाय अस्पताल में डॉक्टर मोबाइल, टॉर्च और मोमबत्ती की रोशनी में मरीज का इलाज करते दिखाई दिए। अंधेरे में इलाज की ये तस्वीरें सामने आते ही अस्पताल की व्यवस्थाओं और बैकअप सिस्टम को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बताया गया कि वीडियो ओपीडी का है, जहां एक गरीब महिला का इलाज टॉर्च की रोशनी में हो रहा था। मरीजों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी किसी ने ध्यान नहीं दिया,जिससे कई लोग परेशान होते रहे। इस पूरे मामले पर एमवायएच अस्पताल अधीक्षक अशोक यादव ने कहा कि वीडियो असली है और यह बुधवार सुबह का है। उन्होंने बताया कि कैंसर

अस्पताल ब्लॉक में एमपीईबी के तकनीकी कार्य के कारण कुछ मिनटों की बिजली कटौती हुई थी। उनके अनुसार अस्पताल की मुख्य सप्लाई चालू थी, लेकिन एमपीईबी ने कुछ समय के लिए ब्लॉक लिया था, जिसके बाद बिजली तुरंत बहाल कर दी गई।

बीएलओ की पूछताछ के दबाव में मिस्त्री ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या की

इंदौर। एक बीएलओ ने एसआईआर की जानकारी के लिए एक मिस्त्री को बार-बार फोन करके इतना दबाव बनाया कि उसने अपने आपको आग लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया गया कि मिस्त्री शराब के नशे में था। परिजनों का आरोप है कि उसने यह कदम बीएलओ की वजह से ही उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना द्वारकापुरी के अहीरखेड़ी का है, जहां सुनील सोलंकी नामक 35 साल के मिस्त्री ने आग लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि सुनील ने एसआईआर के कारण आत्मदाह किया है। बीएलओ बार-बार मृतक को कॉल कर 2003 और दादा-दादी की जानकारी मांग रहा था। घटना के वक्त सुनील शराब के नशे में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

सुनील सोलंकी मिस्त्री का काम करता था और अहीरखेड़ी स्थित दिग्विजय मल्टी में रहता था। रविवार रात उसे गंभीर अवस्था में भाई दीपक, अरुण और जीजा ने अस्पताल में भर्ती करवाया था। सोमवार शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

भाई ने दी जानकारी- दीपक के अनुसार, मृतक की पत्नी मधु ने उसे घटना की जानकारी दी थी। मृतक के जीजा सबसे पहले मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत अस्पताल ले गए। रास्ते में सुनील ने कहा कि उसका दिमाग खराब हो गया था। वोटर आईडी बनाने वाले सर बार बार कॉल कर 2003 का रिकॉर्ड मांग रहे थे। उसने दादा दादी का नाम भी पूछा था। लगातार कॉल आने के कारण दबाव में आ गया था। दीपक के अनुसार, भाई सुनील ने उसे भी कॉल किया था और अपने दादा और दादी का नाम पूछा था। दीपक ने मां चंपा बाई से नाम पूछा और सुनील को बताया। सुनील जल्दी में था और उसने दीपक से कहा कि उसके पास सर का कॉल आ रहा है। कुछ देर बाद उसने आग लगा ली। एसआई रामसिंह बघेल के मुताबिक, सुनील ने खुद से आग लगाई है। परिजन ने अभी आगे की जानकारी नहीं दी है।

झाबुआ में लोकायुक्त ने 14,500 की रिश्वत लेते हुए लेखापाल को पकड़ा

शिकायत पर कार्रवाई, 50 हजार की मांग के बाद जाल बिछाया

इंदौर। भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देशों के बाद इंदौर लोकायुक्त ने एक सफल ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश पर इंदौर लोकायुक्त इकाई ने झाबुआ जिले में जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ लेखापाल को 14,500 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

आवेदक शांतिलाल वसुनिया, माध्यमिक शिक्षक, शासकीय माध्यमिक विद्यालय अंबापाड़ा, संकुल केंद्र बोलासा (विकासखंड पेटलावद) ने शिकायत की थी कि उनके विरुद्ध योग्य अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना न करने और भाई-भतीजावाद के आरोपों को लेकर सहायक आयुक्त कार्यालय से कारण बताओ नोटिस जारी हुआ था। उन्होंने इसका जवाब समय पर प्रस्तुत किया,

लेकिन इस मामले को समाप्त कराने के नाम पर विभाग में पदस्थ लेखापाल जाम सिंह अमलियार ने 50,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। शांतिलाल वसुनिया ने यह शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के समक्ष दर्ज कराई। सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर आज गुरुवार को ट्रैप दल का गठन किया गया। योजना के तहत जाम सिंह अमलियार को आवेदक से 14,500 रुपये की पहली किस्त लेते ही टीम ने दबोच लिया।

आरोपी को रिश्वत की राशि समेत मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रैप कार्रवाई कार्यवाहक निरीक्षक सचिन पटेरिया की अगुवाई में की गई। टीम में कार्यवाहक निरीक्षण रेनू अग्रवाल, प्रआर विवेक मिश्रा, आरक्षक विजय कुमार, मनीष माथुर, पवन पटोरिया और आशीष नायडू शामिल रहे।

गंदगी में बनती तिल और गजक फैक्ट्री को बंद कराया, प्रशासन की कार्यवाही

खातीपुरा में कार्रवाई, अन्य प्रतिष्ठानों के भी खाद्यान्न नमूने लिए गए

इंदौर। सुमित गजक और कुल्फी के खातीपुरा स्थित कारखाने पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा औचक कार्रवाई की गई। उक्त कारखाने पर तिल एवं मूंगफली की गजक तैयार की जा रही थी। कारखाने पर अस्वच्छकर स्थितियों में गजक का निर्माण किया जा रहा था। इस कारखाने के संचालक सुमित शिवहरे द्वारा कारखाने का फ़ूड लाइसेंस नहीं प्राप्त किया गया था। उक्त कारखाने से गुड, तिल, तिल गजक एवं मूंगफली दाना पट्टी के नमूने लिए गए। साथ ही कारखाने का फूड लाइसेंस न होने के कारण एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्माण परिस्थितियां पाए जाने पर निर्माण एवं विक्रय गतिविधि तत्काल प्रभाव से बंद करवाई गई तथा कारखाने को बंद करवाया गया। खातीपुरा स्थित एक अन्य संस्थान गण भोग फूड्स का निरीक्षण किया गया। उक्त संस्थान से राजगीरा लड्डू एवं तिल लड्डू

के नमूने लिए। एक अन्य कार्रवाई में फिनिक्स सिटाडेल मॉल स्थित मोती महल डीलक्स रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर पनीर, चावल एवं मैदा के नमूने लिए गए हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

रणजीत हनुमान मंदिर से आज प्रभातफेरी, ट्रैफिक रूट बदले

सुचारू संचालन के लिए ट्रैफिक पुलिस का प्लान जारी

इंदौर। प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर से 12 दिसम्बर को निकलने वाली प्रभात फेरी के चलते शहर के कई मार्गों पर यातायात में अस्थायी बदलाव किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन पार्किंग के लिए भी स्थान तय किए हैं। यात्रा का मार्ग रणजीत हनुमान मंदिर से शुरू होकर द्रविण नगर, रणजीत हनुमान रोड, महूनाका चौराहा, अन्नपूर्णा रोड, महावर नगर, उषा नगर चौराहा, दशहरा मैदान के सामने, गंगेश्वर महादेव मंदिर के पास से होते हुए नरेन्द्र तिवारी मार्ग तथा आदित्य नर्सिंग होम के रास्ते वापस रणजीत हनुमान मंदिर पर समाप्त होगा। बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है।

इन रास्तों से आवागमन नहीं

- फूटी कोठी चौराहा से रणजीत हनुमान मंदिर होते हुए महूनाका चौराहा जानेझआने वाले वाहनों का प्रवेश प्रातः 3 बजे से प्रतिबंधित रहेगा। यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में फूटी कोठी से चंदन नगर चौराहा, गंगवाल चौराहा होकर आगे का रास्ता खुला रहेगा।
- इन दिशा में जाने वाले वाहन चालक गोपुर चौराहा और चाणक्यपुरी चौराहा होकर आगे बढ़ सकेंगे।
- यात्रा अन्नपूर्णा रोड पर पहुंचने के बाद चाणक्यपुरी चौराहा से अन्नपूर्णा रोड और महूनाका चौराहा से अन्नपूर्णा रोड की ओर आवागमन बंद रहेगा। ऐसे वाहन लालबाग टी से केसरबाग रोड का उपयोग करें।

यहां खड़े हो सकेंगे वाहन

- कलेक्ट्रेट की ओर से आने वाले यात्री अपने वाहन लालबाग परिसर में पार्क करें।
- गंगवाल की ओर से आने वाले वाहन चालक सराफा स्कूल एमओजी लाइन एवं शासकीय स्कूल एमओजी लाइन परिसर में वाहन खड़े कर यात्रा में शामिल हों।
- अन्नपूर्णा क्षेत्र से आने वाले यात्री दशहरा मैदान में पार्किंग का उपयोग करें। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, केवल तय पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करें और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने में सहयोग दें।

जुटेंगे लाखों भक्त, ड्रोन से नजर

पश्चिम क्षेत्र में आस्था के प्रमुख रणजीत हनुमान मंदिर से कल प्रभात फेरी निकाली जाएगी। फेरी में लाखों की संख्या में हनुमानजी के भक्तगण शामिल होते है। भक्तों के आने का सिलसिला आज तड़के जुटना शुरू हो जाएंगे। रैली का शुभारंभ मंदिर से होते हुए प्रमुख मार्गों से निकलेगी।

आयोजन को लेकर वृहद पैमाने पर तैयारियां की जा रही है। प्रभात फेरी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस चाक चौबंद रहेगी। किसी प्रकार के विवाद नहीं हो सके, इसलिए पूरे मार्ग पर अन्नपूर्णा,द्वारकापुरी सहित कई थानों का बल तैनात रहेगा। पुलिस जवान भी गुरुवार रात दो बजे से पाइंट पर लग जाएंगे। प्रभातफेरी के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सके, इसके लिए कड़े सुरक्षा ?इंतजाम किए जाएंगे। पूरे प्रभातफेरी मार्ग पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी। इस दौरान धक्का मुक्की करने, मारपीट करते पाए जाने वालों को मौके पर सबक सिखाया जाएगा।

संपादकीय

सोशल मीडिया और बच्चे

आज की दुनिया में बच्चों के लिए मोबाइल एक अत्यंत जरूरी वस्तु बन गया है और उसमें भी सोशल मीडिया का दखल कई बच्चों की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बल्कि कई बच्चे तो सोशल मीडिया के इस कदर लती बन गए हैं कि वो इससे दूर जाने के बारे में सोच भी नहीं सकते। इसी को ध्यान में रखते हुए अब ऑस्ट्रेलिया ने बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर बैन के उद्देश्य से कानून बना दिया है। लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी गंभीरता से उठने लगा है कि यह कानून कितना प्रभावशाली होगा। क्योंकि वहां के बच्चों ने उसका भी तुरंत तो़ निकाल लिया है। इधर भारत में तो अभी ऐसा कोई कानून बनाने के बारे में भी नहीं सोचा जा रहा है, जबकि यहां भी बच्चों पर सोशल मीडिया की लत उतनी ही बुरी है। बहरहाल ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने हाल में स्नेपचैट समेत दस प्लेटफ़ॉर्म्स पर प्रतिबंधात्मक नियम लागू किए हैं। इसके तहत 10 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट रखने की इजाज़त नहीं होगी। सोशल मीडिया बैन की यह नीति नवंबर 2024 में घोषित हुई थी। हालांकि इसमें माता-पिता या बच्चे को सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर कोई सज़ा का प्रावधान नहीं रखा गया था। नीति के तहत ज़िम्मेदारी सोशल मीडिया कंपनियों की है। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए उचित क़दम उठाने होंगे कि यूज़र की उम्र कम से कम 16 साल हो। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का भारी जुर्माना लग सकता है। भारतीय रुपयों में यह क़ीमत क़रीब 295 करोड़ है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार का कहना है कि बहुत सारे माता-पिता इस बैन के पक्ष में हैं। यह बैन बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन शोषण जैसी चीज़ों से बचाने के लिए है। सरकार का मानना है कि इससे बच्चों की नींद के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक सेहत भी बेहतर होगी। इस कानून को लाए जाने के बाद उम्मीद बंधी थी कि इस से माता-पिता को मदद मिलेगी और अपनों के लिए नए नियम और सीमाएं तय कर पाएंगे। लेकिन अब वह उम्मीद कमज़ोर पड़ गई है, क्योंकि कई एक्सपर्ट्स और बच्चे खुद इस नई नीति की व्यवहारिकता और सुरक्षा पर सवाल उठा रहे हैं। असल मुद्दा यह है कि इसे प्रभावी ढंग से लागू कैसे किया जाएगा, क्योंकि कई बच्चों ने इस बैन से बाहर निकलने और सोशल मीडिया ऐप को क्रेक करने का तोड़ भी तुरंत खोज निकाला है। कुछ लोगों का मानना है कि यह क़ानून असंवैधानिक और बहुत ज़्यादा नियंत्रण वाला है। मानवाधिकार संगठनों और कुछ क़ानूनी विशेषज्ञों ने भी इस क़ानून पर आपत्ति जताई है। क्योंकि इसमें यह खतरा भी निहित है कि यह नीति बच्चों को इंटरनेट के और अंधेरे हिस्सों की तरफ़ धकेल सकती है और बच्चे गेमिंग साइटों के चैटरूम में चले जाएं। ये जगहें कट्टरपंथ फैलाने के लिए बदनाम हैं। जहां तक भारत की बात है तो 'द हिन्दू' में छपी एक स्टडी के मुताबिक देश में 14 से 16 साल की उम्र के करीब 70 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। वहीं एक अनुमान के मुताबिक देश के करीब 15 करोड़ बच्चे इस प्लैटफॉर्म पर हैं। हालांकि बच्चों को मोबाइल की आदत भी अमूमन अभिभावक ही लगाते हैं। आजकल 8 साल की उम्र से ही बच्चे मैच्योर होने लगते हैं। इस उम्र में ही बच्चों को सोशल मीडिया के बारे में बताना शुरू करें। उन्हें बताएं कि सोशल मीडिया एक पब्लिक स्पेस है जहां उनकी जिंदगी की कोई प्राइवेसी नहीं है। इस वर्चुअल वर्ल्ड में कुछ भी सच नहीं है।

बिहार चुनाव के बाद यूपी में नया चुनावी मॉडल

नजरिया

अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

यूपी में भी संघ इसी रणनीति को लागू करने की तैयारी में है। विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए बीजेपी को राजनीतिक समझौते करने पड़ सकते हैं, जैसे कि बीएसपी से कथित सहयोग। यूपी में भी संघ और बीजेपी की रणनीति यही होगी कि हिंदू वोट को बांटे बिना संगठन और विकास के एजेंडे को मजबूत किया जाए। बीते हफ्तों में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत लखनऊ आए और दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में भाग लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंच साझा किया और बीजेपी के संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की। इसके अलावा, बीएल संतोष की संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक हुई, जिसमें आगामी चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक समन्वय पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी एक साल से ज्यादा समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक गतिविधियाँ अब से ही पूरी तरह सक्रिय हो गई हैं। बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चुनाव की तैयारियों को लेकर तेज़ी से काम शुरू कर दिया है। बिहार चुनाव में मिली बीजेपी की जबरदस्त सफलता ने संघ और पार्टी दोनों को यूपी में रणनीति बनाने के लिए प्रेरित किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी की सीटें अपेक्षा से कम रही थीं, और इसके पीछे विपक्षी समाजवादी पार्टी की बढ़ती ताकत और स्थानीय मुद्दों की भूमिका थी। यही वजह है कि अब संघ और बीजेपी ने यूपी में बिहार मॉडल को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। बीजेपी के संगठन महामंत्री बीएल संतोष, संघ के सरकार्यवाह अरुण कुमार और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठकों में यूपी के प्रभारी मंत्रियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने जिले में संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ नियमित रूप से समन्वय बैठक करें। स्थानीय मुद्दों, विकास कार्यों और कमजोर कड़ियों की पहचान के लिए विस्तृत सूची तैयार की जा रही है, ताकि समय रहते सुधार किया जा सके। संघ अपने शताब्दी वर्ष के तहत बड़े पैमाने पर हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित करने जा रहा है, जिनमें लखनऊ में प्रस्तावित विराट हिंदू सम्मेलन भी शामिल है, जो चुनावी तैयारियों का हिस्सा माना जा रहा है।

बिहार चुनाव में संघ की रणनीति बेहद प्रभावी रही। 2020 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी का वोट शेयर 42.56 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़कर 48.44 प्रतिशत तक पहुंच गया। जेडीयू का वोट शेयर 32.83 प्रतिशत से बढ़कर 46.2 प्रतिशत और चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी का वोट शेयर 10.26 प्रतिशत से 43.18 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह सफलता केवल चुनावी मशीनरी की नहीं बल्कि संघ की लंबी और लगातार मेहनत का परिणाम थी। संघ ने हर जिले में कम से कम 100 स्वयंसेवकों को तैनात किया था, और छात्र इकाई एबीवीपी के 5,000 कार्यकर्ताओं को पांच-पांच की टोली बनाकर पूरे बिहार में काम सौंपा गया था। चुनाव प्रचार के दौरान ये कार्यकर्ता शोर-शराबे से दूर रहकर जमीनी स्तर पर संगठनात्मक काम कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में भी संघ इसी मॉडल को अपनाने की योजना बना रहा है। यूपी के पश्चिमी हिस्सों और मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में बीजेपी के लिए चुनौती बनी रहती है। बिहार के सीमांचल क्षेत्र में संघ ने हिंदू वोट को एकजुट रखने की कोशिश की थी, जिसके परिणामस्वरूप 32 सीटों में से 21 पर एनडीए उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। यूपी में भी संघ इसी

रणनीति को लागू करने की तैयारी में है। विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए बीजेपी को राजनीतिक समझौते करने पड़ सकते हैं, जैसे कि बीएसपी से कथित सहयोग। यूपी में भी संघ और बीजेपी की रणनीति यही होगी कि हिंदू वोट को बांटे बिना संगठन और विकास के एजेंडे को मजबूत किया जाए।

बीते हफ्तों में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत लखनऊ आए और दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में भाग लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंच साझा किया और बीजेपी के संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की। इसके अलावा, बीएल संतोष की संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक हुई, जिसमें आगामी चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक समन्वय पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की सरकार और संगठन दोनों में बड़े फेरबदल पर भी विचार किया जा रहा है। कुछ मंत्रियों की जिम्मेदारियों में बदलाव और नए चेहरे शामिल करने की संभावना है। बीजेपी को जल्द ही नया अध्यक्ष भी मिल सकता है, जो चुनावी रणनीति को और तेज करेगा। संघ और बीजेपी की रणनीति केवल संगठनात्मक नहीं है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक रणनीति पर भी केंद्रित है। युवाओं, छात्रों, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। हिंदू संस्कृति, पहचान और सामाजिक समरसता के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जा रही है। संघ का उद्देश्य है कि विकास, सुशासन और हिंदुत्व के मुद्दों को जनता के सामने स्पष्ट रूप से रखा जाए। यह रणनीति बिहार मॉडल की तरह उत्तर प्रदेश में भी लागू की जा रही है, ताकि विपक्षी मतों को विभाजित किया जा सके और बीजेपी को अधिक सीटें मिलें।

विशेषज्ञों का मानना है कि यूपी विधानसभा चुनाव सिर्फ राजनीतिक मुकाबला नहीं होगा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक आधार पर भी टकराव का मैदान होगा। विकास बनाम पहचान, जाति बनाम हिंदू एकजुटता, तथा सुशासन बनाम राजनीतिक विरोधी गठबंधन की लड़ाई के रूप में यह चुनाव सामने आएगा। संघ और बीजेपी की योजना यह है कि स्थानीय स्तर पर मजबूत संगठन, विकास और हिंदू-सामूहिकता के संदेश के जरिए 2027 में सत्ता सुनिश्चित की जाए। उत्तर प्रदेश की राजनीति में संघ की भूमिका लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है। अब बिहार चुनाव से मिली सीख और रणनीति को यूपी में लागू करने की योजना ने मिशन यूपी को और स्पष्ट रूप दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी और संघ की यह रणनीति ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रभावी होने की उम्मीद है। विपक्ष के लिए चुनौती यह होगी कि वह जाति और स्थानीय समीकरणों के जरिए संघ और बीजेपी की योजनाओं का मुकाबला कर सके।

बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावी अनुभव से यह स्पष्ट होता है कि संघ और बीजेपी की रणनीति सिर्फ वोट बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक संगठनात्मक तैयारी और सामाजिक संदेश पर आधारित है। यूपी में भी संघ और बीजेपी यही मॉडल लागू करेंगे। इसके तहत स्थानीय मुद्दों की पहचान, कमजोर क्षेत्रों में सुधार, युवाओं और छात्रों का सक्रियकरण, हिंदू पहचान और विकास एजेंडा प्रमुख होंगे। 2027 विधानसभा चुनाव में बीजेपी और संघ की यह रणनीति निर्णायक साबित हो सकती है, क्योंकि यह रणनीति जमीनी स्तर पर गहराई तक काम करती है और विपक्षी मतों को विभाजित करने की क्षमता रखती है। बहरहाल, यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए मिशन यूपी पहले से ही सक्रिय हो चुका है। संघ और बीजेपी ने बिहार मॉडल से सीख लेकर स्थानीय स्तर पर रणनीति बनाई है, जिसमें संगठनात्मक समन्वय, विकास और हिंदू-सामाजिक संदेश को प्रमुखता दी जा रही है। विपक्ष के लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा कि वह संघ और बीजेपी की व्यापक तैयारी का मुकाबला कर सके। आने वाला समय यह तय करेगा कि यूपी में मिशन यूपी कितना सफल होता है और क्या संघ और बीजेपी अपनी रणनीति के जरिए सत्ता में मजबूत स्थिति बनाए रख पाते हैं।

2026 में अमेरिका और चीन आगे, भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

आर्थिकी

अरुण कुमार डनायक

लेखक भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी हैं।

दुनिया की आर्थिक तस्वीर तेजी से बदल रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है जहाँ विस्तार के बजायसंयम, संरक्षणवाद, वित्तीय सख्ती और भू-राजनीतिक अस्थिरता का प्रभाव अधिक दिखाई देगा। आईएमएफ ने यह भी चेताया है कि दुनिया में आर्थिक मंदी का जोखिम बढ़ा है, वहीं टेक्नोलॉजी कंपनियों की ताक़त पारंपरिक संस्थाओं के मुकाबले लगातार बढ़ रही है।

आईएमएफ के विश्लेषण के आधार पर 2026 की जिन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं का अनुमान लगाया गया है, उनमें अमेरिका (31.82 ट्रिलियन डॉलर) और चीन (20.65 ट्रिलियन डॉलर) की बादशाहत बनी हुई है, जबकि जर्मनी (5.32 ट्रिलियन डॉलर) तीसरे स्थान पर है और भारत (4.50 ट्रिलियन डॉलर) अपनी तेज़ रफ्तार को बरकरार रखते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएँ वर्चस्व के बावजूद अलग-अलग रुख दिखा रही हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों और बढ़ती महँगाई के चलते आर्थिक वृद्धि मध्यम गति से हो रही है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था लगभग 4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, यह चीन के पिछले चार दशकों में सबसे धीमी बहुवर्षीय वृद्धि मानी जा रही है। 2026 की वैश्विक आर्थिक तस्वीर में भारत का चौथे स्थान पर पहुँचना केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत है।

आईएमएफ के अनुसार, भारत अब जापान (4.46 ट्रिलियन डॉलर) जैसी पारंपरिक आर्थिक महाशक्ति को पीछे छोड़ चुका है। यह उभार मुख्यतः मज़बूत घरेलू मांग, तेज़ी से बढ़ते सेवा क्षेत्र, डिजिटलीकरण, बुनियादी ढांचे में भारी निवेश और युवा कार्यबल की सक्रिय भागीदारी के कारण संभव हुआ है। जब अमेरिका और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाएँ व्यापार युद्ध, महँगाई, रियल एस्टेट संकट और जनसंख्या वृद्धावस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं, भारत अपेक्षाकृत स्थिर और संतुलित वृद्धि पथ पर है। उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन और निर्यात में विविधता ने इसे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी मज़बूती प्रदान की है।

हालाँकि यह उभार बड़ी जिम्मेदारियाँ भी लाता है। बेरोज़गारी, आय असमानता, कौशल विकास और शहरी-ग्रामीण अंतर जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। यदि भारत निवेश, विनिर्माण और मानव संसाधन पर ध्यान बनाए रखता है, तो चौथा स्थान केवल एक पड़ाव होगा। 2026 के बाद का दशक भारत के लिए तेज़ वृद्धि के साथ वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दावेदारी का भी समय बन सकता है। अब किसी देश की ताकत सिर्फ आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि उसके सतत विकास मॉडल से मापी जाती है। सबसे टिकाऊ अर्थव्यवस्था वह होती है जो आर्थिक स्थिरता, सामाजिक सुधार और पर्यावरण संरक्षण का संतुलित विकास करती हो। जबकि जीडीपी केवल उत्पादन और आय दिखाता है, सततता सूचकांक यह बताता है कि विकास की गति कितनी स्थिर, समावेशी और पर्यावरण-संवेदनशील है। वर्ष 2025 में दुनिया की सबसे टिकाऊ अर्थव्यवस्थाओं की सूची में ग्रेट ब्रिटेन पहले स्थान पर रहा। भारत इस सूची में शीर्ष 10 में शामिल नहीं हो सका और उसकी रैंकिंग 23वीं रही। भारत का प्रदर्शन आर्थिक और सामाजिक स्तंभों में बेहतर रहा, जबकि पर्यावरणीय प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा। यह स्पष्ट करता है कि तेज़ औद्योगीकरण, बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता भारत की सतत विकास क्षमता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने है।

भारत ऊर्जा संक्रमण और पर्यावरण सुधार में सक्रिय है, सौर, पवन, इलेक्ट्रिक वाहन और हरित हाइड्रोजन में निवेश बढ़ा रहा है और 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। यदि आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए, तो उसकी सतत विकास रैंकिंग भविष्य में बेहतर हो सकती है। 2025 की शीर्ष टिकाऊ अर्थव्यवस्थाएँ दर्शाती हैं कि भविष्य उसी देश का होगा जो विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाए।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अपने निवेश को दोगुना करना होगा। वैश्विक जटिलताओं के बावजूद भारत हालिया 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि–जिसमें विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का प्रमुख योगदान है–के सहारे 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, इन लक्ष्यों को अभी एक मजबूत संभावना के रूप में ही देखा जाना उचित होगा। आईएमएफ ने अपनी 2025 की स्टाफ रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा आँकड़ों को 'सी ग्रेड' दिया है। आईएमएफ द्वारा भारत की जीडीपी डेटा श्रृंखला को लगातार दूसरे वर्ष 'सी ग्रेड' दिया जाना पहली नज़र में भले ही चिंता का विषय लगे, लेकिन इसे भारत की अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती से जोड़कर देखना सही नहीं होगा। भारत इस समय तेज़ आर्थिक विस्तार के दौर में है, जहाँ 7 से 8 प्रतिशत के आसपास की वृद्धि, मजबूत घरेलू मांग, बुनियादी ढांचे में निवेश और सेवा व विनिर्माण क्षेत्रों की सक्रियता अर्थव्यवस्था की ठोस सेहत का संकेत देती है। ऐसे में आइएमएफ की यह रेटिंग किसी गिरावट का प्रमाण नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधार का संकेत है।

भारत का सांख्यिकी तंत्र बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। फरवरी 2026 में नई जीडीपी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) जारी होगी, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप और आधुनिक सेवाओं का वास्तविक योगदान स्पष्ट होगा। इससे जीडीपी का आकार और आँकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। आँकड़ों की पारदर्शिता को लेकर उठते प्रश्न विदेशी निवेशकों को सतर्क कर सकते हैं, हालांकि भारत की मज़बूत वृद्धि और स्थिर नीतियाँ इस प्रभाव को काफी हद तक संतुलित करती हैं। यह संकेत है कि आर्थिक विस्तार के साथ-साथ आँकड़ा-तंत्र को भी आधुनिक और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। भारत इस समय एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। लगभग 2,900 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ वह विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार मध्य-आय वर्ग में आता है, और इसी कारण 'मध्य-आय जाल' के उस जोखिम का सामना कर रहा है, जहाँ अर्थव्यवस्था न पूरी तरह ग़रीबी से बाहर निकल पाती है, न ही तेज़ी से समृद्धि की ओर बढ़ पाती है। विश्लेषकों के अनुसार राजकोषीय घाटा, ऋण और चालू खाते पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन तेज़ विकास, मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते निवेश और जारी संरचनात्मक सुधार भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक उभरती आर्थिक शक्ति बना रहे हैं। आने वाले दो वर्ष इस दिशा को निर्णायक रूप से तय करेंगे।

अब विश्वभर में भारतीय संस्कृति का प्रकाश

दीपावली और यूनेस्को

रागिनी श्रीवास्तव

लेखक कनाडा निवासी साहित्यकार हैं।

बहुत गर्व और प्रसन्नता का पल है जब भारतीय त्यौहार दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यूनेस्को विश्व की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा और संरक्षण का काम करता है। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की परिभाषा में ऐसी परंपराएं शामिल होती हैं जो मानवता के सांस्कृतिक, सामाजिक और कलात्मक योगदान को दर्शाती हैं। दीपावली में यह सब मौजूद है, परंपरा, कला, सामाजिक समावेश और धार्मिक उत्सव। यही कारण है कि दीपावली, जिसे 'प्रकाश पर्व' के रूप में जाना जाता है, को यूनेस्को की 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' सूची में शामिल किया गया है। यह घोषणा 8 से 13 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली के लालकिले में आयोजित यूनेस्को की 20वीं अंतर-सरकारी समिति की बैठक में की गई। दीपावली भारत और दुनिया भर के भारतीय समुदायों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्यौहार है। जिसमें घर, मंदिर और सार्वजनिक स्थानों को दीपक और रोशनी से सजाया जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह हिंदू धर्म का एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से मनाया जाने वाला त्योहार है। सिख और जैन समुदाय सहित लाखों श्रद्धालु इस पाँच दिवसीय पर्व को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं।

दीपावली सामाजिक एकता और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है। यह लोगों को एक साथ लाती है। लोग मिलकर पूजा करते हैं, मिठाई बाँटते हैं, दीयों की सजावट करते हैं और अपने समुदाय में सौहार्द्र और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। इस त्यौहार का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी अत्यधिक है। दीपावली अंधकार पर प्रकाश की जीत और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। भगवान राम का अयोध्या लौटना, भगवान कृष्ण का नरकासुर पर विजय और माँ लक्ष्मी की पूजा से जुड़े रीति-रिवाज इसे आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

दीपावली अब विश्वभर में मान्यता प्राप्त त्यौहार बन गया है। भारत के अलावा यह दुनिया के कई देशों में भारतीय डायस्पोरा द्वारा मनाया जाता है, जिससे यह वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में उभरकर सामने आया है। इस प्रकार, दीपावली न केवल भारत की सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह विश्व समुदाय को जोड़ने और मानवता की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी एक पोस्ट में कहा है, 'भारत और दुनिया भर के लोग इस उपलब्धि से उत्साहित हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी संस्कृति और जीवनदर्शन से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। दीपावली प्रकाश और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में दीपावली का शामिल होना इस त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता को और बढ़ाएगा। ईश्वर प्रभुश्री राम के आदर्श हमें सदा मार्गदर्शन देते रहें।'

भारत के कई अनूठे सांस्कृतिक तत्व पहले ही यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल हो चुके हैं। इनमें गुजरात का गरबा (2023), कोलकाता की दुर्गा पूजा (2021), कुंभ मेला (2017), योग (2016), पंजाब की थाथेरास धातु कला (2014), मणिपुर का सांकीर्तन (2013), लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार (2012), राजस्थान की कालबेलिया कला (2010), छाऊ नृत्य (2010), केरल का मुडियेट्टू (2010), गढ़वाल हिमालय की रम्मान परंपरा (2009), कुटियाट्टम संस्कृत थिएटर (2008), वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा (2008) तथा पारंपरिक रामलीला (2008) जैसी विधाएँ शामिल हैं। ये सभी तत्व भारत की सांस्कृतिक विविधता, आध्यात्मिक गहराई और समृद्ध लोक परंपराओं को विश्व के सामने प्रस्तुत करते हैं। दीपावली को इस सूची में शामिल किए जाने का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह पर्व न केवल धार्मिक या सामाजिक उत्सव है, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का आधारस्तंभ भी है।

नेपाल में इस मान्यता का उत्सव मनाने के लिए पशुपति मंदिर परिसर में संगीतमय भजन संध्या और दीप प्रज्वलन का आयोजन किया गया। नेपाल के निवासियों ने दीपावली के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान का गर्मजोशी से स्वागत किया। दीपावली सिर्फ दीप जलाने और पटाखे फोड़ने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मकता, प्रेम, भाईचारा और खुशियाँ लाने का संदेश देता है। यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर ले जाता है। इस त्यौहार का यूनेस्को की सूची में शामिल होना उन करोड़ों लोगों, कारीगरों और परंपराओं के प्रति सम्मान है जिन्होंने इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस परंपरा को जीवित रखा है। यह प्रमाण है कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर केवल याद ही नहीं की जाती, बल्कि जीवन में निभाई जाती है, मनाई जाती है और आगे बढ़ाई जाती है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

और मैं पक्का नालायक बनकर निकला

व्यंग्य

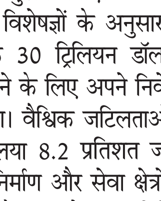

सुधीर नायक

लेखक कर्मचारी नेता और व्यंग्यकार हैं।

मेरे पिताजी जब तक इस दुनिया में रहे मुझे नालायक कहते रहे।वे मेरा ओरिजनल नाम तो भूल ही गये थे। जब भी उनके मुंह से निकलता,नालायक ही निकलता। वे हमेशा कहते-तू नालायक ही रहेगा।तू कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने यह बात इतनी बार कही कि मेरे अंदर जो थोड़ी बहुत लायकी थी वह भी जाती रही और मैं पक्का नालायक बनकर निकला।मैंने उनका मान रखा और तबसे लेकर आज तकनालायक ही रहा आया। पर मेरे पिताजी 50 प्रतिशत गलत हो गये। अब मुझे उनकी बहुत याद आती है।अगर वे आज होते तो मैं उन्हें बताता कि मैंने आपको 50 प्रतिशत ग़लत करदिया।वे खुश हो जाते।दरअसल वे चाहते भी यही थे कि वे ग़लत हो जाएं।

यहां तक वे तो सही निकले कि मैं वाकई नालायक हीरहा। परंतु,'कुछ नही कर सकता'-वाले पार्ट में वे ग़लत हो गए। मैंने बहुत कुछ कर लिया। मैं झूठ क्यों बोलूं? मैंने जो कुछ किया अपनी नालायकी की दमपर किया। मेरा नालायक होना मुझे वरदान साबित हुआ। बचपन से ही यह बात चारों तरफ फैल चुकी थी कि मैं नालायक हूं। परंतु मुझे जो पहली नौकरी मिली वह नालायकी के कारण ही मिली। तब से नालायकी पर मेरी आस्था और दृढ़ हो गयी।एकअधिकारी थे।उन्होंने कई लायकों को रखवाया था। उन लायकों ने उनके साथ खेल कर दिया।उन्हें लायकों से चिढ़ हो गयी। वे किसी पक्के नालायक की तलाश में थे। वे मुझे जानते थे मेरी नालायकी भी जानते।उन्होंने मुझे बुलाया औरचिपका दिया। बोले-तुम नालायक हो,पड़े रहोगे,कोई लायक आ भगा तो मुझे मुसीबत हो जायेगी। वह पहला मौका था जब मेरी नालायकी काम आयी।पहला काम नालायकी से बना तो फिर मैं आगे नालायक ही बना रहा।मैंने कभी लायक बनने की कोशिश नहीं की।उस तरफ झांका तक नहीं।उम्र के साथ साथ कुछ लायकी आयी भी तो मैंने छुपा ली। किसी को जाहिर नहीं होने दी। नहीं तो लोग मुझे भगा देते। अपनी जो पूछ परख थी नालायकी के कारण ही थी। नालायकी ही अपनी यूएसपी थी। धीरे धीरे मुझे समझ में आ गया कि नालायकी कोई बुरी चीज़ नहीं है। नालायकों की बहुत डिमांड है। नालायकी का मार्केट बड़ा है। हर जगह नालायक चाहिए।लायकों की दुनिया में नालायकों की बहुत कद्र है। लायकों के चारों तरफ़ जो झालर लगती है न वह नालायकों की होती है। झालर से उनकी शोभा बढ़ती है और कोई चुनौती भी नहीं रहती। लायक-लायक में जानी दुश्मनी है।वे एक दूसरे को बर्दाश्त नहीं कर पाते।निपटाने में देर नहीं करते। मैं इस गणित को समझ गया। मैंने इसी का दोहन किया। मुझे हर जगह तरजीह मिली क्योंकि मैं कर्रा नालायक था। मैं किसी के लिए खतरा नहीं था। मुझे कोई गंभीरता से नहीं लेता था। मैं किसी के निशाने पर नहीं रहा।मुझे बड़े बड़े पद मिल गये। दो काबिलों के बीच जब भी लड़ाई होती तो समझौता मेरे नाम पर हो जाता।मैं हमेशा डमी रहा।इसीलिए जमा रहा। नालायकी तरल होती है उसका खुद का कोई शेप नहीं होता।कहीं भी फिट होने में अड़चन नहीं आती।मैं जबरदस्त फिलर था,लोग कहीं भी फिल कर देते थे।मैं केवल एक मुंडी था।जहां भी मुंडिया गिनाने की बात आती तो लोग मुझे पकड़ ले जाते। मैं भी खुशी खुशी चला जाता।वे लोग मुझसे जगह घेरने का काम लेते। वैसे भी नालायकों का सबसे अच्छा उपयोग जगह घेरने में ही होता है।मैं जगह घेरकर बैठा रहता। जब उनका आदमी आ जाता मैं जगह ख़ाली कर देता। एक मिनट भी नहीं लगाता। मैंने कभी जमे रहने की ज़िद नहीं की। बिठा दिया तो बैठ गये,उठा दिया तो उठ गये।लायक लोगों का मैं अतिप्रिय रहा। वे मुझे हमेशा साथ रखते।मुझे मालूम था मेरी आड़ में असली खेल वे करते हैं। पर उनके खेल में अपना भी खेल चलता। वे क्रिकेट खेलते तो गुल्ली-डंडा मैं भी खेल लेता।काम वे करते नाम मेरा होता। मैं अपनी अहमियत समझ गया।मैं अपनी बेवकूफी को भुनाता रहा। मैं साफ़ कह देता था कि भाई,मैं नालायक हूं। मेरे बस का कुछ नहीं है।वे खुश हो जाते। वे यही तो चाहते थे।फिर वे मुझसे कुछ नहीं कहते थे।मैं काम का नहीं था इसीलिए तो काम का था। मैं खूब मज़े में रहा।मेरी खूब आवभगत होती। ऐसा अनुभवी नालायक उन्हें और कहां मिलता? जो मिलते थे वे लायक होते थे और उन लोगों के काम के नहीं थे। इसलिए वे लोग मुझे सहेज कर रखते थे।वे लोग मुझे हाथोंहाथ लेते। एक दूसरे को निपटाने में मेरा इस्तेमाल करते।मैं न नुकुर किये बिना इस्तेमाल होता रहता।वे जैसा कहते मैं वैसे में राजी रहता।मुझे कुछ नहीं करना था। जिम्मेदारी उनकी थी नफा नुकसान उनका था।मैं तो ढ़क्कन था जो किसी को अंदर नहीं आने देता।बोतल में क्या है? इससे ढ़क्कन का वास्ता नहीं होता।मैं नालायक रहा इसीलिए कभी नाकाम नहीं रहा।मेरी ऐसी धूम मची कि अच्छे अच्छे लायक लड़के मुझसे नालायकी सीखने आते थे। वैसे देखा जाए तो मेरे पिताजी ग़लत नहीं थे।वे अपने ज़माने के हिसाब से सही कहते थे। उन्हें पता नहीं था कि जमाना बदल जायेगा। नालायकी काम की चीज हो जायेगी। दिन सबके फिरते हैं।नालायकों के भी फिरे।नालायकी का जमाना आ गया।हम लोग काम के हो गये।पिताजी ग़लत हो गये।दुःख होता है कि वे मेरी कामयाबी देख नहीं पाये।पहले ही चले गए। देख लेते तो सुकून से जाते।

पेंच टाइगर रिज़र्व

सैयद आसिम अली

संरक्षण, रोजगार और सह-अस्तित्व का अनोखा मॉडल

भारत में वन्यजीव संरक्षण की चर्चा होते ही जिन चुनिंदा राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिज़र्व का नाम गर्व से लिया जाता है, उनमें पेंच टाइगर रिज़र्व का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर फैला यह घना वन क्षेत्र केवल बाघों का सुरक्षित ठिकाना ही नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के सफल सह-अस्तित्व का जीवंत उदाहरण भी बन चुका है। यहाँ संरक्षण की राह केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की साझेदारी से और भी मजबूत हुई है। यहाँ बाघों की सुरक्षा सिर्फ वन विभाग की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि आसपास बसे गाँवों की साझा प्रतिबद्धता बन चुकी है। यही साझेदारी पेंच को देश के सफलतम टाइगररिज़र्वों में शामिल करती है। पहले जहाँ मानव-वन्यजीव संघर्ष आम बात थी, वहीं आज गाँवों के लोग बाघोंको अपने जंगल की धरोहर मानते हैं। ग्रामीणों को रोज़गार, वन-आधारित आजीविका और इको-टूरिज्म से जोड़ने से उनका भरोसा बढ़ा है। स्व-सहायता समूह, होम-स्टे, गाइड और हस्तशिल्प जैसे कार्यों ने संरक्षण को आमदनी से जोड़ दिया है।गाँव वाले अवैध शिकार की सूचना स्वयं देते हैं, जंगलों में आग से बचाव में सहयोग करते हैं और वन्यजीवों के लिए जल स्रोतों की देखभाल करते हैं। बदले में प्रशासन भी मुआवज़ा, सुविधाएँ और पुनर्वास की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करता है। पेंच की यह मिसाल बताती है कि जब संरक्षण लोगों से जुड़ता है, तो जंगलसुरक्षित होते हैं और बाघ निडर होकर विचरण करते हैं। यही सच्चा मॉडल है – जिसमें जंगल भी बचते हैं और इंसान भी।

पेंच का भौगोलिक और ऐतिहासिक महत्व – पेंच टाइगर रिज़र्व का नाम इसी क्षेत्र से होकर बहने वाली पेंच नदी केकारण पड़ा। यह रिज़र्व लगभग 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जहाँ सागौन, बाँस, तेंदू और मिश्रित वनों की बहुलता है। पहाड़ियों, घाटियों और जल स्रोतों से समृद्ध यह क्षेत्र जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है।यही वह जंगल है, जिसे विश्व विख्यात लेखक रुडयार्ड किपलिंग ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'द जंगल बुक' में अमर किया था। मोगली की कहानी से लेकर यहाँ के बाघ, भालू और हिरण आज भी लोगों की कल्पनाओं में जीवंत हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती पेंच की अनोखी बाघ प्रतिमा – प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मिशन लाइफ के संदेश और तीन आर (3R) सूत्र– रिड्यूस, रियूज़ और रिसाइकल–की भावना को साकार करते हुए पेंच टाइगर रिज़र्व में एक अनोखी और विश्वस्तरीय बाघ प्रतिमा का निर्माण किया गया है। यह प्रतिमा पूरी तरह अनुपयोगी लोहे के स्क्रैप मटेरियल से तैयार की गई है। इसमें पुरानी साइकिलें, पाइप, जंग लगी लोहे की चादरें और अन्यबेकार धातु सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया गया है। इस भव्य कलाकृति को सिवनी जिले के स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला और कल्पनाशीलता से आकार दिया है। इस प्रतिमा की संकल्पना प्रधानमंत्री द्वारा 'मेक इन इंडिया' के प्रतीक रूप में बनाए गए लोहे के सिंह से प्रेरित है, जो स्वयं स्क्रैप मटेरियल से निर्मित था।इंटरनेट पर उपलब्ध वर्ल्ड रिकॉर्ड एकेडमी के अनुसार, इससे पहले दुनिया की सबसे बड़ी बाघ प्रतिमा अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में थी, जिसकी ऊँचाई 8 फीट और लंबाई 14 फीट थी। इसके विपरीत, पेंच टाइगर रिज़र्व के खवासा पर्यटन द्वार पर स्थापित यह प्रतिमा 17 फीट 6 इंच ऊँची, 40 फीट लंबी और 8 फीट चौड़ी है, जो इसे विश्व की सबसे विशाल स्क्रैप बाघ प्रतिमाओं मेंशामिल करती है। यह प्रतिमा न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देती है, बल्किस्थानीय कला, आत्मनिर्भरता और रीसाइक्लिंग के महत्व को भी प्रभावशाली ढंगसे दर्शाती है।

सर्दी में संबल की पहल,पेंच का 'कंबल डोनेशन अभियान' – पेंच टाइगर रिज़र्व ने इस वर्ष एक सराहनीय जनकल्याणकारी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'कंबल डोनेशन अभियान'। यह अभियान विशेष रूप से पेंच टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण परिवारों के लिए चलाया जा रहा है, जो सर्दी के मौसम में अत्यधिक ठंड और सीमित संसाधनों की चुनौतियों से जूझते हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद ग्रामीणों, बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिक परिवारों को सर्दियों में ठंड से सुरक्षा प्रदान करना है। वन विभाग, स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाजसेवियों के संयुक्त सहयोग से यह अभियान पूरे क्षेत्र में प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहाहै। कलेक्शन सेंटरों के माध्यम से कंबल एकत्र किए जा रहे हैं और फिरउन्हें व्यवस्थित रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। यह पहल सिर्फ राहत वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव और प्रकृति के बीच सहयोग और संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। पेंच टाइगर रिज़र्व, जो वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है, अब सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। 'कंबल डोनेशन अभियान' न सिर्फ ठंड से राहत देगा, बल्कि लोगों के दिलों में करुणा और सहयोग की भावना को भी सशक्त बनाएगा।

पेंच के जंगलों में जैव-विविधता का नया प्रमाण–ब्लैक पैंथर – पेंच टाइगर रिज़र्व में ब्लैक पैंथर (काला तेंदुआ) का दिखाई देना पूरे भारत में एक अत्यंत दुर्लभ और ऐतिहासिक घटना माना जाता है।

सामान्यतः तेंदुआ अपने पीले रंग और काले धब्बों के लिए जाना जाता है, लेकिन कुछ तेंदुओं के शरीर में प्राकृतिक रूप से रंग से जुड़ा एक खास आनुवंशिक बदलाव हो जाता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'मेलानिज़्म (Melanism)' कहा जाता है। इस स्थिति में तेंदुए की त्वचा में काले रंग का वर्णक (मेलानिन)सामान्य से कहीं अधिक मात्रा में बनता है। इसी कारण उसका शरीर सामान्य पीले रंग और धब्बों की जगह पूरी तरह काला दिखाई देने लगता है। हालाँकि पास से देखने पर उसके शरीर पर हल्के धब्बे फिर भी दिख जाते हैं। जब तेंदुआ इस काले रंग की अवस्था में होता है, तब उसे सामान्य भाषा में 'ब्लैक पैंथर' कहा जाता है। यह कोई अलग प्रजाति नहीं होती, बल्कि रंग में आया एक प्राकृतिक बदलाव मात्र होता है, जो उसे और भी दुर्लभ व आकर्षक बनादेता है। इसी अवस्था में वह 'ब्लैक पैंथर' कहलाता है। भारत में ब्लैक पैंथर के दर्शन बेहद सीमित क्षेत्रों, विशेषकर पश्चिमी घाट और कुछ घने जंगलों तक ही सिमटे रहे हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश के पेंचटाइगर रिज़र्व जैसे क्षेत्र में इसका दिखाई देना न केवल आश्चर्यजनक है, बल्कि यह यहां के समृद्ध जैव-विविधता और सफल वन संरक्षण की भी पुष्टि करता है। पेंच का घना जंगल, पर्याप्त शिकार, शांत वातावरण और सुरक्षितआवास इस दुर्लभ प्राणी के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। ब्लैक पैंथर का कैमरा ट्रैप में कैद होना वन्यजीव विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह खोज भविष्य में पेंच क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन और जैविक विविधता पर नए शोध के द्वार खोलती है। साथ ही यह घटना आम लोगों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है और पेंच टाइगर रिज़र्व की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनाती है। आज पेंच टाइगर रिज़र्व में संरक्षण कार्य आधुनिक तकनीकों के सहारे किया जा रहा है। ड्रोन कैमरे, ट्रैप कैमरे, रेडियो कॉलर और जियो-टैगिंग के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। वनकर्मियों को आधुनिक प्रशिक्षण दिया गया है और विशेष टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स की तैनाती से अवैध शिकार पर काफी हद तक रोक लगी है।

संरक्षण में समुदायों की भागीदारी – पेंच टाइगर रिज़र्व की सबसे बड़ी सफलता का आधार रहा है – स्थानीय समुदायों की सहभागिता। पहले आसपास के गाँवों के लोग ईंधन, लकड़ी, चारा और अन्य ज़रूरतों के लिए जंगल पर अत्यधिक निर्भर थे, जिससे जंगल पर दबाव बढ़ता गया। वन विभाग ने इस चुनौती को एक अवसर में बदला और 'समुदाय आधारित संरक्षण' की रणनीति अपनाई। ग्रामीणों को वन सुरक्षा समितियों, ईको-डेवलपमेंट कमेटियों और वन्यजीव मित्र योजनाओं से जोड़ा गया। आज वही ग्रामीण जंगल की गश्त, अग्नि सुरक्षा और अवैध शिकार विरोधी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बाघ संरक्षण का मजबूत गढ़ – एक समय ऐसा भी था जब अवैध शिकार, जंगलों की कटाई और मानवीय दखल के कारणपेंच में बाघों की संख्या चिंताजनक रूप से घटने लगी थी। लेकिन पिछले दोदशकों में सख्त सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रबंधन और स्थानीय लोगों की भागीदारी से यहाँ बाघों की आबादी में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। आज पेंच न केवल बाघों के लिए सुरक्षित आवास है, बल्कि तेंदुआ, स्लॉथ भालू, चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली कुत्ता और सैकड़ों पक्षी प्रजातियों का भी आश्रय स्थल है।

आजीविका और संरक्षण का संतुलन – संरक्षण तभी स्थायी बनता है जब स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति भी सुरक्षित हो। इसी सोच के साथ पेंच क्षेत्र में वैकल्पिक आजीविका के अनेक अवसर विकसित किए गए। ईको-टूरिज़्म के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को गाइड, ड्राइवर, रिसॉर्ट कर्मचारी और प्राकृतिक व्याख्याता के रूप में रोजगार मिला।महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर हस्तशिल्प, बाँस शिल्प, जैविक खाद, पत्तल-दोना निर्माण और स्थानीय खाद्य उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। इससे महिला सशक्तिकरण को भी मजबूती मिली और परिवारों की आय में वृद्धि हुई।परिणामस्वरूप जंगल पर निर्भरता कम हुई और लोग संरक्षण को अपने भविष्य से जोड़ने लगे।

विस्थापन और पुनर्वास : एक संवेदनशील अध्याय – संरक्षण की आवश्यकता के चलते कुछ गाँवों को कोर एरिया से बाहर भी बसाया गया। यह प्रक्रिया हमेशा विवादास्पद होती है, लेकिन पेंच में इसे संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ पूरा किया गया। विस्थापित परिवारों को पक्के मकान, खेती योग्य भूमि, बिजली, पानी, स्कूल, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इससे उनका जीवन स्तर सुधरा और जंगल को उसका प्राकृतिक रूप लौटाने में मदद मिली। यही कारण है कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में यहाँ विस्थापन को लेकर विरोध कम देखने को मिला।

मानव और प्रकृति का सह–अस्तित्व – पेंच टाइगर रिज़र्व यह सिद्ध करता है कि संरक्षण केवल कानून से नहीं, बल्कि विश्वास, सहभागिता और संवेदनशीलता से संभव है। जब स्थानीय समुदाय खुद को जंगल का भाग मानने लगते हैं, तब वे उसके सबसे मजबूत रक्षक बन जाते हैं। पेंच टाइगर रिज़र्व आज देश के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बन चुका है, जहाँ संरक्षण और विकास साथ-साथ चल रहे हैं। यह क्षेत्र दिखाता है कि यदि स्थानीय समाज को साथ लिया जाए, तो जंगल भी सुरक्षित रह सकते हैं और लोगों की आजीविका भी।बाघों की दहाड़, हरे-भरे जंगल और आत्मनिर्भर गाँव – यही पेंच की असली पहचान है। आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित प्रकृति छोड़ना ही इस संरक्षण यात्रा का सबसे बड़ा उद्देश्य है।

यूनीसेफ

– प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण की आवाज

द्वितीय विश्व युद्ध (वर्ष 1939 से 1945 तक) के बाद पूरी दुनिया में महिलाओं और बच्चों के लिए सामान्य मानवीय जीवन जीने की चुनौती उपस्थित हुई। भोजन एवं सुरक्षित आश्रय का बड़ा संकट खड़ा हुआ। बच्चों के लिए भोजन एवं आवास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समुचित पोषण और विकास के रास्ते पर रुकावटें एवं बाधाएं मुंह बाये खड़ी थीं। अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिवार युद्ध से प्रभावित हुए थे। बच्चों का जीवन कष्ट एवं पीड़ा के अंधेरे में सिसक रहा था, बालपन छिन गया था। बच्चों की स्वाभाविक निश्छलता, प्रसन्नता और अल्हड़ता गायब थी। बच्चे कुंठा, अवसाद और तनाव की काली चादर तले सहमते-सिसकते जीवन और मौत के पाटों के बीच अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे थे। चतुर्दिक नैराश्य और संवेदनहीनता का माहौल था। भूख, प्यास, दवा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति का कोई साधन दूर-दूर तक दृष्टिगोचर न था। कहीं से कोई मदद करने वाला नहीं, सहायता मिलने का कोई रास्ता नहीं दिखाई पड़ रहा था। तब एक आशा की किरण दिखाई दी। वर्ष 1945 में स्थापित संयुक्त राष्ट्रसंघ ने बाल कल्याण के लिए एक संगठन बनाने का निर्णय लिया और 11 दिसम्बर, 1946 को 'संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष' (NICEF) की स्थापना किया जो वर्तमान में 190 से अधिक देशों में 'यूनीसेफ' के नाम से सामान्य मानवीय जरूरतों से वंचित एवं जोखिम उठा रहे बच्चों के समग्र विकास एवं कल्याण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पोषण प्रदान करने के विविध कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। तब से स्थापना दिवस 11 दिसम्बर को प्रत्येक वर्ष यूनीसेफ दिवस या बाल कल्याण कोष दिवस नाम से मनाते हुए यूनीसेफ द्वारा बच्चों की मदद के लिए किए गये महनीय योगदान को स्मरण किया जाता है। यूनीसेफ बाल अधिकारों की पैरवी करते हुए युद्ध एवं आपदा के समय आपातकालीन स्थितियों में भी अविलम्ब सहायता पहुंचाने को तत्पर रहता है। यूनीसेफ को दुनिया भर के बच्चों के लिए बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कल्याण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए वर्ष 1965 में नोबल शांति पुरस्कार, 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा 2006 में प्रिंसेस आप आस्टुरियस पुरस्कार जैसे अंतरराष्ट्रीय विख्यात एवं प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भारत में यूनीसेफ ने वरू 1949 में केवल तीन कर्मचारियों के साथ काम करना आरंभ किया था और 1952 में नई दिल्ली में पहला कार्यालय खोला था। आज भारत के 16 से अधिक राज्यों में यूनीसेफ सरकारी विभागों एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिल कर बाल कल्याण के विविध कार्यक्रम चला रहा है। भारत सरकार द्वारा यूनीसेफ के साथ साझेदारी के 75 वर्ष पूरे होने पर 10 रुपए मूल्य का एक स्मारक डाक टिकट जारी किया था। इसके पूर्व 25वीं वर्षगांठ 1974, बाल अधिकार सम्मेलन की 30वीं वार्षिकी पर 1989 और एक अन्य अवसर पर 2009 में भी डाक टिकट जारी किए थे। वर्ष 1986 में यूनीसेफ गठन के 40 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने टीकाकरण एवं विकास निगरानी विषयक 50 पैसे एवं 5 रुपए के दो डाक टिकट जारी किए थे। निश्चित रूप से, यह भारत और यूनीसेफ के सम्बंधों की प्रगाढ़ता, गहराई और पारस्परिक समझ को दर्शाता है।

यूनीसेफ की भारत में बाल कल्याण की यात्रा 75 वर्ष से अधिक की हो गई है। इन वर्षों में यूनीसेफ ने सरकार, समुदाय और स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीकाकरण, जल स्वच्छता, शिशु मृत्यु दर में कमी, हिंसा एवं बाल यौन शोषण से बचाव, समुचित पोषण, आनंदमय गुणवत्ता परक शिक्षा, बाल अधिकारों का समर्थन एवं पैरवी तथा बाल कल्याण के अन्यान्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किया है। हर बच्चे के जीवन का सबसे अच्छा आरम्भ हो और वह अपनी क्षमता अनुसार अपना पूर्ण विकास कर सके, इसके लिए यूनीसेफ उचित परिवेश निर्माण और जागरूकता के लिए सरकार एवं भागीदारों के साथ कार्यक्रम सुनिश्चित करता है। यूनीसेफ के कतिपय विशेष योगदान पर दृष्टिपात करें तो उत्साहजनक दृश्य दिखाई देता है। दुग्ध सहकारी संस्थाओं से बच्चों को रियायती दर पर दूध उपलब्ध कराने तथा दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापना हेतु 1954 में समझौता किया। इसी वर्ष मलेरिया उन्मूलन हेतु डीडीटी उत्पादन हेतु कारखाना निर्माण हेतु सहयोग किया। 1960 के दशक में विद्यालयों में रुचि पूर्ण विज्ञान शिक्षण हेतु तथा 1966 में सूखाग्रस्त बिहार के लोगों के लिए स्वच्छ सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सरकार के साथ अनुबंध किया जो आगे चलकर ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम नाम से जाना गया। इसके अतिरिक्त टीकारण, राष्ट्रीय जनगणना, पोलियो मुक्ति अभियान को भी मदद दी। भारत की एक बड़ी सामाजिक समस्या खुले में शौच जाने की थी। यह बच्चों और महिलाओं के लिए शर्मनाक, अपमानजनक, अमानवीय और कष्टभरा दैनंदिन जरूरी कार्य था। वर्ष 2019 में खुले में शौच से मुक्ति का एक बड़ा अभियान चलाकर घर-घर शौचालय बनाने का काम सरकार के सहयोग से सम्पन्न हुआ। आज महिलाओं और बच्चों के लिए उनके मकान में या सहज पहुंच में ही शौच सुविधा उपलब्ध है। मानवता के लिए महासंकट कोविड के दौरान जीवन रक्षक दवाएं एवं उपकरण, आक्सीजन उत्पादन हेतु संयंत्र स्थापना तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षित मेडिकल संसाधन उपलब्ध करायें। यूनीसेफ के लिए भारत महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने वाला एक अग्रणी और विश्वसनीय साझीदार है।

यूनीसेफ के स्थापना दिवस के अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास के लिए घर-परिवार, पड़ोस और कार्य स्थलों में सम्मानजनक स्थान बनाएंगे ताकि संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा घोषित बाल अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में हम योगदान दे सकें। कह सकते हैं कि यूनीसेफ ने भारत के बाल कल्याण क्षेत्र में प्रतिष्ठित एवं उल्लेखनीय कार्य किया है। युद्धग्रस्त हिंसक दुनिया में हम बच्चों के लिए एक खुशियों भरी मुस्कुराती जगह बना सकें, जहां बच्चे अपना स्वाभाविक प्राकृतिक विकास कर सकें; यह संकल्प सिद्ध हो, ऐसी शुभेच्छा ।

आयोजन

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति जी के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

भारत मंडपम में मानवाधिकार की कुछ अहम बात

भारत मंडपम में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने 10 दिसंबर, 2025 को मानव अधिकार दिवस पर जो सम्मेलन किया था वह केवल सम्मेलन नहीं था अपितु वहां एक नए भारत को समझने व नया भारत विकसित करने का प्रारूप था। संयोग से इस पूरे आयोजन का प्रत्यक्षदर्शी होने का सौभाग्य मुझे भी मिला। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सार्वभौमिक मानव अधिकार अविभाज्य हैं और ये न्यायपूर्ण, समानता-उन्मुख और करुणामय समाज की आधारशिला हैं। भारत ने वैश्विक मानव अधिकार ढांचा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने मानव गरिमा, समानता और न्याय पर आधारित विश्व की परिकल्पना की थी।...अंत्योदय की भावना के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक मानव अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। प्रत्येक नागरिक को 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में सक्रिय भागीदार होना चाहिए। नागरिकों के रूप में हमें यह सुनिश्चित करने में सरकार के प्रयासों को सहयोग देना चाहिए कि नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। तभी विकास को वास्तविक अर्थों में समावेशी कहा जा सकता है। भारत ने विश्व को यह बताया है कि मानव अधिकारों को विकास से अलग नहीं किया जा सकता। भारत ने सदा इस सत्य का पालन भी किया है कि न्याय के बिना शांति नहीं और शांति के बिना न्याय नहीं। राष्ट्रपति के इस उदगार के बहुत गहरे अर्थ हैं। भारत की मंशा समावेशिता को कैसे लेकर चल सकती है और कैसे सभी अपनी गरिमा के साथ जी सकते हैं, इस सन्दर्भ में एक तरह से राष्ट्पति द्रौपदी मुर्मू ने भारत और दुनिया के लोगों को सन्देश दिया है।

आज़ भारत के लिए यह बार-बार ज़रूरत इस बात की है कि वह अपना मूल्यांकन करता रहे और भारत को कैसे विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है हम सभी का यह दायित्व है की इसके अनुरूप ही योजनायें बनाए। राष्ट्रपति बहुत ही सामान्य जीवन से इतने बड़े पद पर पहुँचने के साथ जो अपना अनुभव जुटायी हैं उसकी वजह से वह इतने बाक तरीके से भारत की जनता को संबोधित कर रही हैं और सक्रिय भागीदारी का आह्वान कर पा रही हैं। वह भले ही कहती हों कि यह बड़े संतोष की बात है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों, तथा महिलाओं और बच्चों से जुड़े अनेक विषयों का स्वयं संज्ञान लिया है। मुझे बताया गया है कि अब तक आयोग ने लगभग तीन हजार मामलों का स्वयं संज्ञान लिया है। आयोग की राष्ट्रपति ने बहुत प्रशंसा की यह बहुत ही उल्लेखनीय है। वह केवल स्वतः संज्ञान की प्रशंसा नहीं की अपितु उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण और कल्याण, मानव अधिकार के प्रमुख आधार स्तम्भ हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा मिला है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां बेटियों की संख्या कम है। मुझे यह देखकर प्रसन्नता होती है कि सरकार की अनेक प्रभावी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बल मिला है। आयोग द्वारा सार्वजनिक स्थानों और कार्यस्थलों में महिलाओं की सुरक्षा के विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ऐसे सम्मेलनों से निकले निष्कर्ष महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए मैं आयोग की पूरी टीम की सराहना करती हूं।

दरअसल, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग अब बहुत सक्रिय कार्य कर रहा है। इसके इनिशिएटिव ने आयोग को सुर्ख़ियों में ला खड़ा किया है। इस आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणयन अपनी सहजता व सौम्य छवि से आयोग के सभी लोगों को सक्रिय बना दिया है। सबसे अहम् बात है कि अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणयन, सदस्यगण न्यायमूर्ति डॉ। बिद्युत रंजन सारंगी, विजया भारती सयानी, महासचिव भरत लाल में आयोग के माध्यम से देश को समर्पित भाव से कुछ विशेष करने की इच्छाशक्ति इसमें काम कर रही है। तभी देश की राष्टपति विश्व मानव अधिकार दिवस पर इतनी भूरि-भूरि प्रशंसा कर सकी हैं। अब तो आयोग ने अपना एक एप भी लांच कर दिया है। यह एप देश की जनता को आयोग से सीधे जोड़ेगा और लोग अपनी बात आयोग को सीधे प्रेषित भी कर सकेंगे। आयोग के अध्यक्ष वी रामासुब्रमणयन ही ऐसे व्यक्तित्व हैं जो विश्व मानव अधिकार दिवस पर आयोग की सफलताओं का बखान नहीं किए अपितु उन्होंने कहा कि मानव अधिकार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है और अविभाज्य, अविनाशी और परस्पर निर्भर मानवीय मूल्यों के रूप में मानव अधिकारों को आगे बढ़ाने के संकल्प को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने एलेनोर रूजवेल्ट व यूडीएचआर की 10वीं वर्षगांठ पर उनके दिये गए भाषण को उद्धृत किया कि एलेनोर रूजवेल्ट ने सार्वभौम घोषणा-पत्र सौंपने के 10 वर्ष बाद कहा कि मानव अधिकार वहीं से प्रारंभ होते हैं जहाँ हर मनुष्य समान न्याय, समान अवसर और भेदभाव रहित समान गरिमा की अपेक्षा करता है। यदि उन स्थानों पर इन अधिकारों का अर्थ नहीं है, तो कहीं भी इनका अर्थ नहीं। उन्होंने मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति पुनःसमर्पण का आह्वान किया। एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणयन का इस अवसर पर एलेनोर रूजवेल्ट का स्मरण करना और उनको उद्धृत करना केवल औपचारिकता नहीं थी अपितु एक तरह से पूरे भारत की जनता, बौद्धिक समाज, मानवाधिकार डिफेंडर्स, अकादमिक कम्युनिटी और सिविल सोसायटी के लिए किया गया मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए पुनःसमर्पण का आह्वान समझा जाए तो उचित होगा।

मानवाधिकार हर व्यक्ति के जन्मसिद्ध अधिकार हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद, इन्हें सुरक्षित रखने और इनके उल्लंघनों पर नज़र रखने का काम करती है। अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण व्यवस्था के ज़रिए, किस तरह सुरक्षित रखने के प्रयास किया जा रहा है यह आम आदमी नहीं जनता लेकिन हमारे भारत में एनएचआरसी इण्डिया है जो सबमें मानव अधिकारों की प्रतिष्ठा पर कार्य कर रहा है और जहाँ तक हो सकता है मानव अधिकारों के संरक्षण की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में आयोग के अध्यक्ष का आह्वान एक नई दिशा तय करेगा और राष्ट्रपति द्वारा व्यक्त की गयी चिंताओं पर भारतीय समाज व संभ्रांत समाज ध्यान केन्द्रित कर सकेगा यह तो भारत मंडपम से तो तय हुआ है। इस वर्ष तो विमर्श का विषय ही कुछ ख़ास था। हम अपने जीवन में एक आम दिन किस तरह से व्यतीत कर रहे हैं यही तो विषय था। खुली हवा में साँस लेना, पीने के लिए स्वच्छ जल, पोषक आहार, अपनों के साथ कुछ शान्त पल, सड़कों पर स्वच्छन्द आवाजाही, भेदभाव से मुक्ति, स्वस्थ माहौल में कामकाज, ज़रूरत हो तो सुरक्षित आश्रय स्थल, किसी भय के बग़ैर अपनी राय की अभिव्यक्ति, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, और ऐसे अन्य अनेक क्रियाकलाप। हमारे दिन को आकार देने वाले ये साधारण विषय हमसे पीछे न छूट जाएँ इस पर हमारा ध्यान संयुक्त राष्ट ने खींचा है। हमारी ये दैनिक स्वतंत्रताएँ किस बुनियाद पर टिकी हैं। यह हम सबको विचार करना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणयन दोनों की अभिव्यक्ति में यह बात उभरकर सामने आती है कि भारत को दिशा देनी है। हम अपने नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी को निभाएं। भारत मंडपम में किए गए विचार विस्तार पाएं तो निःसंदेह एक मानव अधिकार समृद्ध देश भारत बन सकेगा। भारत मंडपम में माना जाए तो यह सार्थक और अहम् बातें हैं जिस और भारत आगे बढ़ने को तैयार है।

दुकानों के सामने से गुजरने वाला रास्ता बंद, लोग परेशान

● नाली निर्माण की धीमी रफ्तार से लोगों में दिख रही नाराजगी

बैतूल। शहर के कोठीबाजार क्षेत्र में नाली निर्माण का कार्य धीमी गति से चल रहा है। यह कार्य अब दुकानदारों के साथ-साथ लोगों के लिए परेशानी बनते जा रहा है। हालात यह है कि पिछले कई दिनों से नाली खोदकर रखी है, लेकिन सिर्फ बेस ही डल पाया है। जबकि नाली की चौड़ाई अधिक होने से दुकानों तक पहुंचने में ग्राहक और वहां रहने वाले लोगों को नाली पर से कूदकर या पटरों के सहारे आना-जाना पड़ रहा है। यह व्यवस्था भी दुकानदारों और लोगों ने स्वयं बनाई है। बताया जा रहा है कि थाना रोड से संगीत सरिता तक किए गए छह फीट चौड़े और पांच फीट गहरे खुदाई कार्य के कारण लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। नाली क्रॉस करते समय सबसे ज्यादा भय बच्चों के गिरने का रहता है। यहीं वजह है कि निर्माणकर्ता की धीमी कार्यशैली और नगरपालिका की कमजोर निगरानी के कारण यहां अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है और लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। बताया गया कि नाली निर्माण के लिए गहरी खुदाई के बाद ठेकेदार ने अचानक काम रोक दिया। इसके बाद काम शुरू किया तो अभी सिर्फ नाली का बेस ही डल पाया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ठेकेदार ने खुदाई पहले ही कर दी गई और अब धीमी रफ्तार से काम चल रहा है। इस असंगठित तरीके ने लोगों को आने-जाने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रैफिक व्यवस्था भी हो रही प्रभावित – नाली खुदाई के कारण वाहन चालकों को वाहन सडक़ पर ही खड़े करने पड़ रहे है। इससे बाजार के दिन ट्रैफिक व्यवस्था भी पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाती है। सुबह और शाम के समय वाहनों की भीड़ के बीच पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नाली निर्माण को लेकर नगरपालिका अधिकारियों की गंभीरता नहीं दिख रही है। अधिकारी लोगों की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। लोगों द्वारा लगातार शिकायतों के बाद भी काम में गति नहीं आई। मजबूर होकर क्षेत्रवासियों ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है ताकि समस्या का निराकरण जल्द हो सके।

बच्चे-बुजुर्ग कूदकर कर रहे नाली पार – लंबे समय से नाली खोदकर छोड़ दिये जाने के कारण दुकानदार और आमजन परेशान है। दुकानों में आने-जाने के लिए दुकानदारों ने एंगल लगाकर रास्ता बनाया है। दुकानदारों का कहना है कि ठेकेदार ने दोबारा काम शुरू किया हैं, लेकिन काम की गति बेहद धीमी है, पता नहीं कब पूरा होगा। दुकानदारों का कहना है कि नाली निर्माण के कारण दुकानों के सामने से गुजरने वाला रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। छह से सात फीट चौड़ी नाली के कारण ग्राहकों के आने-जाने में भी दिक्कत आ रही है। वहीं बुजूर्ग और बच्चे एंगल-पटरों के ऊपर से कूदकर नाली पार कर रहे है। जिससे उनके गिरने का डर बना रहता है।

स्वयं के खर्च पर बना रहे व्यवस्था – नाली निर्माण में हो रही देरी के कारण लोगों में नगरपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भी नाराजगी देखी जा रही है। दुकानदारों ने बताया कि समस्या से परेशान होकर मजबूरन तीन से चार दुकानदारों ने खुद के खर्च पर लोहे के एंगल का प्लेटफॉर्म तैयार कराया है, ताकि ग्राहकों को दुकान तक पहुंचने में थोड़ी सुविधा हो सके। इससे व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नाली निर्माण से न केवल दुकानदार प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि आजाद वार्ड और तिलक वार्ड की गालियां भी बंद हो गई हैं। रास्ता बाधित होने के कारण लोगों को नाली में उतरकर या पटरो-एंगल पर से दूसरी तरफ पहुंचना पड़ रहा है। जिससे हमेशा नाली में गिरने का भय बना रहता है।

इनका कहना है –

ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण और जल्दी कार्य करने के लिए कहा जायेगा, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

– सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

नाहिया पंचायत में अटल ई-सेवा केंद्र का शुभारंभ

● ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे मिलेंगी दर्जनों सेवाएं

बैतूल। बैतूल तहसील की ग्राम पंचायत नाहिया में अटल ई-सेवा केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। केंद्र के संचालक दुर्गेश पंडाग्रे ने बताया कि नाहिया पंचायत भवन में बुधवार को शुरू हुए इस केंद्र के जरिए अब ग्रामीणों को सरकारी से लेकर निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण सेवाएं गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। डिजिटल सुविधा बढ़ाने और ग्रामीणों को समय-सुविधा की बचत करवाने के उद्देश्य से यह केंद्र शुरू किया गया है। इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, बीमा, सरकारी दस्तावेज सहित कई सेवाएं बिना शहर गए ही मिल सकेंगी। उन्होंने बताया कि अटल ई-सेवा केंद्र के शुरू होने से नाहिया और आसपास के ग्रामीणों को अब डिजिटल सेवाओं के लिए शहर का सफर नहीं करना पड़ेगा। शिक्षा एवं कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, शैक्षणिक सेवाएं, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं बीमा सुविधाएं, टेलीमेडिसिन, बेसिक स्वास्थ्य जांच, दवाइयों की सुविधा जीवन, स्वास्थ्य, मोटर और फसल बीमा, सरकारी सेवाएं, आधार, पैन और पासपोर्ट, समग्र आईडी, सरकारी नौकरी के आवेदन, राशन कार्ड से जुड़ी सेवाओं के अलावा ऑनलाइन बिल भुगतान, टिकट बुकिंग ऑनलाइन एफआईआर पंजीकरण की सुविधा होगी।

आठनेर में 2 माह का डीटीपी और सिलाई प्रशिक्षण शुरू

● उद्यमिता विकास कार्यक्रम अंतर्गत युवाओं को मिलेगा कौशल का प्रमाण पत्र

बैतूल। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत इंडो जर्मन टूल रूम इंदौर की ओर से आठनेर में गुरुवार 11 दिसंबर से डीटीपी कंप्यूटर प्रशिक्षण और सिलाई मशीन प्रशिक्षण शुरू किया गया है। यह प्रशिक्षण दो माह का होगा, जिसमें 18 वर्ष से 45 वर्ष तक के इच्छुक लोग भाग ले सकेंगे। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को कौशल विकास का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर शासकीय महाविद्यालय आठनेर की प्राचार्य डॉ सरोज पाटिल, सेंट्रल बैंक हिडली शाखा के प्रबंधक निहाल चन्द्रायण, पूर्व पार्षद प्रमोद अदलक, संस्था संचालक सतीष ठाकरे, प्रदीप शनिशरे, प्रतिभा ठाकरे, शीतल डढोरे, प्रमोद गायकवाड़ एवं अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डीटीपी कंप्यूटर प्रशिक्षण युवाओं के उज्जवल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है, वहीं सिलाई प्रशिक्षण छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कौशल विकसित करने के साथ ही युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर भी प्रदान करेगा, जिससे वे अपनी जीवनधारा को मजबूत, सक्षम और सफल बना सकेंगे। सेंट्रल बैंक हिडली शाखा प्रबंधक निहाल चन्द्रायण ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि स्वरोजगार के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग और दिशा-निर्देश बैंक की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे प्रशिक्षार्थी अपने कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन सकें।

भीमपुर में कॉलेज चलो अभियान शुरु

● विद्यार्थियों को मिली उच्च शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी

बैतूल। आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय सतपुड़ा भवन द्वारा जारी पत्र के अनुसार सत्र 2026-27 की ई-प्रवेश प्रक्रिया से पूर्व कॉलेज चलो अभियान का संचालन 5 दिसंबर से 05 जनवरी 2026 तक किया जाना है। इसी क्रम में शासकीय महाविद्यालय भीमपुर द्वारा 11 दिसंबर से कॉलेज चलो अभियान का शुभारम्भ प्रभारी प्राचार्य लेखराम दरसिमा की अध्यक्षता में शासकीय सांदीपनी स्कूल भीमपुर और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमपुर से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ संदीप राने ने विद्यार्थियों को अभियान के उद्देश्य, महत्व और प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी प्राचार्य लेखराम दरसिमा ने महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी साझा की तथा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान होने वाली सामान्य समस्याओं को समझाते हुए विद्यार्थियों को सावधानीपूर्वक आवेदन भरने का सुझाव दिया। डॉ रामचन्द्र गुजरे ने नई शिक्षा नीति और विषय चयन के महत्व पर प्रकाश डाला। गेन्दालाल प्रजापति ने शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली छात्रवृत्तियों की जानकारी दी। क्रीड़ा अधिकारी डॉ अभिनित सरसोदे ने महाविद्यालय में संचालित खेल गतिविधियों, युवा उत्सव, वार्षिक स्नेह सम्मेलन सहित सभी कार्यक्रमों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाई।

133 वृद्धों को मिले जीवन उपयोगी उपकरण

सामाजिक न्याय विभाग ने एडीप योजना के तहत किया वितरण

बैतूल। सामाजिक न्याय और दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग ने एडीप योजना के तहत जीवन उपयोगी उपकरणों का वितरण किया। बैतूल, भैंसदेही और आठनेर ब्लॉक के कुल 133 वृद्ध हितग्राहियों को ये उपकरण प्रदान किए गए। जबलपुर की एलमको कंपनी ने यह सामग्री भेंट की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने किया। जनपद पंचायत बैतूल में आयोजित इस शिविर में 60 वर्ष से अधिक आयु के उन वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिला, जिनकी वार्षिक आय 2 लाख 22 हजार रुपए से कम है या जो गरीबी रेखा के अंतर्गत आते हैं। उन्हें व्हीलचेयर, कमोड, बैसाखी और छड़ी जैसे आवश्यक उपकरण दिए गए। विभाग की उप संचालक रोशनी वर्मा ने बताया कि तीन विकासखंडों के 133 लाभार्थियों को सामग्री वितरित की गई है। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 1981 से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांग व्यक्तियों को मुफ्त या रियायती दरों पर सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे दैनिक जीवन में आत्मनिर्भर बन सकें और सामाजिक रूप से सशक्त हो सकें। एडीप योजना के तहत विभिन्न प्रकार के उपकरण प्रदान किए जाते हैं। इनमें व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, क्रच, वॉकर, श्रवण यंत्र, ब्रेल किताबें, स्मार्ट केन, स्मार्टफोन और अन्य आधुनिक सहायक साधन शामिल हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति का

भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है। साथ ही, उसकी दिव्यांगता कम से कम 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रमाणित होनी चाहिए और मासिक आय 30 हजार रुपए से कम होनी चाहिए। आश्रित व्यक्तियों के मामले में उनके अभिभावक की आय भी इसी सीमा में मानी जाती है। आवश्यकता पडऩे पर, योजना के तहत कुछ मामलों में सुधारात्मक शल्य चिकित्सा की सुविधा भी दी जाती है, जिससे प्रदान किए गए उपकरण का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।

स्वदेशी मेले में हुई गायन प्रतियोगिता

नन्हे-मुन्ने स्कूली बच्चों ने दी सराहनीय प्रस्तुति

बैतूल। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पुलिस परेड ग्राउंड बैतूल में आयोजित स्वदेशी मेला प्रतिदिन उत्साह के साथ संचालित हो रहा है प्रतिदिन अलग अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से मेला स्थल पूरे जिले में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और बड़ी संख्या में जिलेवासी मेले में पहुंचकर स्वदेशी अभियान के समर्थन में अपनी भागीदारी निभा रहे है। 9 दिसम्बर को मेले में प्रतिदिन की तरह सबसे पहले दोपहर में गायन प्रतियोगिता हुई, जिसमें सभी बच्चे बड़े बालक बालिका द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता प्रभारी श्रीमती श्रद्धा खंडेलवाल द्वारा प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार प्रदान किए व स्वदेशी मंच द्वारा सम्मान किया गया शाम होते ही अतिथियों का आगमन हुआ जिसमें मुख्य रूप से स्वदेशी मेले में मनीष जैन, जजपाल सिंह सिसोदिया, दीपेश मेहता, प्रदेश अध्यक्ष कोषाध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी हेमंत बबलू दुबे, नरेश फाटे, समाज सेवी आनंद प्रजापति, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैतूल अमित पटेल, समाज सेवी रमेश भाटिया उपस्थित हुए। अतिथियों ने सर्वप्रथम श्री रामजी की पूजा आरती की। इसके बाद मेला प्रतियोगिता प्रभारी सभी उपस्थितजनों को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई। अतिथियों ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग स्थानीय उत्पादों के संरक्षण और आत्मनिर्भरता पर प्रेरक उद्बोधन दिया व इसके बाद सांस्कृतिक कार्यकम का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्रीमति वर्षा खाड़े दीदी द्वारा सांस्कृतिक कार्यकम हुए जिसमें सभी स्कूली बच्चे व अन्य सभी बच्चो को मंच के माध्यम से अतिथियों द्वारा सम्मानित कर पुरस्कार वितरण किया गया।

राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरूस्कार प्राप्त शिल्पी का भाजपा ने किया सम्मान

बैतूल। वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के निमित्त विकास आयुक्त (हस्त शिल्प) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हस्त शिल्प पुरूस्कार से महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा सम्मानित किए गए बैतूल विकास खंड के ग्राम टिगरिया के बलदेव वाघमारे का भाजपा परिवार ने शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत, सम्मान किया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री कृष्णा गायकी ने कहा कि यह सम्मान बैतूल के गांव की मिटटी का सम्मान है। आज पूरा जिला श्री वाघमारे को मिले राष्ट्रीय हस्त शिल्प पुरूस्कार से गौरवान्वित है। नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर ने कहा कि हमारे जिले की प्रतिभा का सम्मान राष्ट्रीय मंच पर हुआ यह सम्मान कला के क्षेत्र में प्रेरणा का कार्य करेगा। राष्ट्रपति से सम्मानित बलदेव वाघमारे ने सम्मान के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से एकमात्र राष्ट्रशिल्पी का पुरूस्कार उन्हे मिला है। देश भर में चालिस लोगो को यह सम्मान मिला। श्री वाघमारे ने बताया कि भैरवाकला हडडपा कालिन संस्कृति का हिस्सा है जो लगभग 5 हजार साल पुरानी शिल्पकला है। हमारे लिए यह पारिवारिक परंपरा का ही हिस्सा है। इस शिल्पकला में मिटटी में पीतल और ताबां मिलाकर निर्माण किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर जिले का सम्मान भैरवाकला को अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा।

बता दे कि बैतूल जिले की पारंपरिक शिल्पकला भरेवा कला को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित नेशनल हैंडक्राफ्ट कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भरेवा कला के शिल्पकार बलदेव वाघमारे को सम्मानित किया है। शिल्पकार बलदेव को उनकी कला के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें राष्ट्रीय कालिदास अकादमी पुरस्कार 2021, राज्य विश्वकर्मा पुरस्कार 2011 एवं 2021, बेस्ट आर्टिजन अवार्ड 2016 (एमपी टूरिज्म) प्रमुख है। उनकी कलाकृतियां आज भारत के कई संग्रहालयों में सुरक्षित हैं और वे समय-समय पर अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शवियों में भाग लेते रहे हैं। उन्हें जनजातीय लोक कला एवं बोली अकादमी, संत रविदास हस्तशिल्प विकास निगम, मध्यप्रदेश टूरिज्म तथा भारत सरकार की विभिन्न संस्थाओं से लगातार सहयोग और मंच मिलता रहा है। शिल्पकार बलदेव की मेहनत से वर्ष 2018 में टिगरिया को क्राफ्ट विलेज का दर्जा मिला था।

राष्ट्रपति सम्मान के साथ लौटे बलदेव वाघमारे

बैतूल। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर लौटे टिगरिया ग्राम के प्रसिद्ध कलाकार बलदेव वाघमारे का बैतूल रेलवे स्टेशन पर सूर्यवंशी ढोलेवार कुन्बी समाज द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष राकेश घंगारे ने बताया कि बलदेव वाघमारे को पुष्पक कलाकृति के लिए राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है। यह कलाकृति ढोकरा या भरेवा कला पर आधारित है, जो मधुमक्खी के मोम की ढलाई तकनीक से तैयार होती है। मोम की आकृति पर मिट्टी चढ़ाई जाती है, फिर उसे आग में तपाकर सांचे में पिघली पीतल की धातु भरी जाती है। यह कला धार्मिक और पौराणिक विषयों को मूर्त रूप देती है। बलदेव वाघमारे अपने परिवार और करीब 200 कारीगरों के साथ इस विलुप्त होती कला को नई पहचान दे रहे हैं। गांव के लगभग 50 परिवार सीधे इस कार्य से जुड़े हैं। बलदेव वाघमारे को कालिदास अकादमी सम्मान, विश्वकर्मा पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उनकी कलाकृतियां अमेरिका, फ्रांस समेत कई देशों में प्रदर्शित हो चुकी हैं।

चांदोरा जलाशय नहर अवैध जल दोहन एवं अतिक्रमण से मुक्त

● बहु-विभागीय संयुक्त कार्रवाई से किसानों को मिली राहत

बैतूल। जल संसाधन विभाग की पहल पर चांदोरा जलाशय की नहर पर लंबे समय से चल रहे अवैध जल दोहन और अतिक्रमण के खिलाफ कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार आज एक व्यापक एवं निर्णायक बहु-विभागीय अभियान चलाया गया। असामाजिक तत्वों द्वारा किए जा रहे इन अनधिकृत गतिविधियों के कारण कमांड क्षेत्र के किसानों को सिंचाई जल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा था। हर वर्ष नहरों के प्रारंभिक हिस्सों में अवैध जल निकासी होने से अंतिम छोर तक जल पहुंचाना विभाग के लिए चुनौती बन जाता था। इस वर्ष स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए संयुक्त कार्रवाई की। यह सफल कार्रवाई जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री सी. एल. मरकाम के नेतृत्व में की गई। अभियान में जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी प्रभातपट्टन शिवकुमार नागले, अनुविभागीय अधिकारी नीरज कौरव एवं उनकी टीम, राजस्व विभाग से तहसीलदार प्रभात पट्टन श्री राजेश दुबे एवं अमला, पुलिस विभाग से थाना प्रभारी साईंखेड़ा श्री राजन ऊईके एवं पुलिस बल, तथा विद्युत विभाग का अमला सक्रिय रूप से शामिल रहा। संयुक्त टीम ने नहर पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए नहर भूमि को पूर्णत~ मुक्त कराया।

कर सलाहकार सुनीति खंडेलवाल को मिला प्रांतीय स्तर पर सम्मान

● 4 साल में 12 करोड़ से 48 करोड़ पर पंहुचा निवेश का सफर

बैतूल। जिले की प्रतिष्ठित म्युचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर सुनीति खंडेलवाल ने एक बार फिर जिले का नाम प्रांतीय स्तर पर रोशन किया है। पिछले 25 वर्षों से निवेशकों को सुरक्षित एवं लाभकारी निवेश का मार्ग दिखा रही सुनीति जी आज देश और विदेश के 1000 से अधिक निवेशकों के लिए भरोसे का पर्याय बन चुकी हैं। अपने गहन ज्ञान, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, डिजिटल माध्यमों का उपयोग, निवेशकों से सतत संपर्क और उत्कृष्ट कार्यशैली के दम पर उन्होंने केवल पिछले 5 वर्षों में अपने एयूएम को 12 करोड़ से बढाकर 48 करोड़ तक पहुंचाया है। यह उपलब्धि न सिर्फ उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि निवेशकों के अटूट विश्वास की भी मिसाल है। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2024-25 में एसबीआई म्युचुअल फंड द्वारा उन्हें बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में एसबीआई म्युचुअल फंड के नेशनल हेड श्री गौरव धर्मरहा ने उन्हें सम्मान में ट्रॉफी प्रदान प्रदान की। इस उपलब्धि पर सुनीति खंडेलवाल को देशभर से सैकड़ों निवेशकों, शुभचिंतकों और आत्मीयजनों ने बधाइयाँ प्रेषित की हैं। बैतूल जैसे छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर निरंतर अपनी पहचान मजबूत करना सुनीति खंडेलवाल जैसे समर्पित वित्तीय सलाहकारों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। श्रीमती सुनिती जगमोहन खंडेलवाल की उपलब्धि पर सेवा भारती के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल, श्रीराम मंदिर एकीकृत ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी सचिव नवनीत गर्ग, खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष मनीष (अंटू) खंडेलवाल, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अम्बेश बलुआपुरी, जिला उद्योग संघ के सचिव पियुष तिवारी, जिले के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं कांट्रेक्टर अरूण किलेदार, प्रसिद्ध सर्जन डॉ. रमेश बड़वे, डॉ. मनीष अग्रवाल, व्यवसायी मनीष बाजपेयी, कैकेन होटल के संचालक अतुल गोठी, अधिवक्ता सजल गर्ग सहित शुभचिंतकों, मित्रों ने बधाई प्रेषित की है।

कलेक्टर्स हितग्राही मूलक योजनाओ की सतत मॉनिटरिंग करें : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

क्षय रोग एवं सिकल सेल एनीमिया के मरीजों को चिन्हित कर, प्राथमिकता से उपचार दिया जाए कलेक्टर पटवारियों का हफ्ते में 2 दिन मुख्यालय में रहना निर्धारित करें कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को दिये निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम बैतूल एवं हरदा जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह सभी विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं एवं लक्ष्य की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए इसी वित्तीय वर्ष में शासन द्वारा दिए गए सभी लक्ष्यो की पूर्ति कराना सुनिश्चित करें। योजनाओं एवं लक्ष्यो की प्रभावी समीक्षा भी की जाए। उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लक्ष्यो की संभागीय समीक्षा कर रहे थे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की क्षय रोग एवं सिकल सेल एनीमिया के मरीजों को प्राथमिकता से चिन्हित कर जिला चिकित्सालय में उनका उपचार सुनिश्चित कराया जाए। क्षय रोग एवं सिकल सेल एनीमिया के मरीजों की जांच एवं स्कैनिंग निरंतर की जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह सभी पटवारियों का सप्ताह में 2 दिन मुख्यालय में रहना निर्धारित करें ताकि हितग्राहियो को अनावश्यक रूप से इधर-उधर न भटकना पड़े एवं वे एक जगह जाकर पटवारी से संपर्क कर अपने कार्य करा सके। कमिश्नर ने कहा कि शासन की मंशा जैविक खेती को बढ़ावा देने की है, अतः जिलो में पहले से चल रही जैविक खेती को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाया जाए। किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया जाए। जैविक खेती के प्रोडक्शन को बढ़ाते हुए उसकी प्रभावी मॉनिटरिंग भी की जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की मिल्क रुट को भी सक्रिय किया जाए। उन्होंने जैविक खेती की मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया जाए। स्व सहायता समूहो को भी जैविक खेती से प्रमुखता से संलग्न किया जाए। बताया गया कि इटारसी में सप्ताह में 1 दिन जैविक सामग्री एवं वस्तुओं तथा उत्पादन का हाट लगाया जा रहा है। इन जैविक हाट बाजार पर प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादकों की बिक्री की जाती है। केसला और बनखेड़ी में भी जैविक खेती पर कार्य किया जा रहा है। इसी तरह हरदा और बैतूल में भी जैविक खेती पर कार्य किया जा रहा है। कमिश्नर श्री तिवारी ने एक बगिया मां के नाम कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों से एक बगिया मां के नाम डेवलप कराया जाए, इसके लिए किसानों को समझाइश दी जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह अस्पतालों का आकस्मिक निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें और निरीक्षण प्रतिवेदन परख पोर्टल में अपलोड करें। उन्होंने गर्भवती और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की निरंतर मॉनिटर करने के निर्देश दिए और कहां की ऐसे सभी महिलाओं को स्वस्थ महिलाओं की श्रेणी में लाया जाए। उन्होंने सेम एवं मैंम का रेशो भी कम करने के निर्देश दिए। साथ ही कमिश्नर ने निर्देश दिए की जिला चिकित्सालय एवं अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीज के परिजनों कहां रुकते हैं इसका फीडबैक अनिवार्य रूप से लिया जाए और इस शीतकाल के मौसम में परिजनों के लिए ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक प्रतिमाह आयोजित करने के निर्देश दिए, साथ ही सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह आयुष्मान आरोग्य केंद्र का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने सभी सीएमएचओ एवं बीएमओ को भी आरोग्य केंद्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी संबंधित अधिकारी स्कूलो, आश्रम शाला, छात्रावासों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें।

कमिश्नर ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की 9 से 14 वर्ष की जिन बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के टीके लगाए गए थे उनकी अवधि यदि पूर्ण हो गई है तो उन सभी बालिकाओं को पुनः द्वितीय सर्वाइकल कैंसर बचाव के टीके लगाए जाएं। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में नवीन तकनीक के अनुसार शैक्षणिक गतिविधियां करने के निर्देश दिए और कहा कि यूट्यूब का उपयोग करते हुए भी शिक्षक शैक्षणिक कार्य कराए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की शत प्रतिशत विद्यार्थियों को नामांकन नंबर अलाट किए जाएं। शिक्षा विभाग के सभी शिक्षको के अटेंडेंस हमारे शिक्षक एप के माध्यम से लगाई जाए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति के फेल बैंक ट्रांजेक्शन को प्राथमिकता से सुधार कर विद्यार्थियों के सही बैंक खाते मैं छात्रवृत्ति का ट्रांजैक्शन किया जाए।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की शासन द्वारा निर्देशित सुशासन के छह बिंदुओं पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वह यथासंभव जनसुनवाई स्वयं करें। कमिश्नर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अधिक दिनों तक लंबित न रहे। प्रकरण प्राप्त होते ही निराकरण की दिशा में कार्य किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की मिशन कर्मयोगी के तहत आई गोट पोर्टल पर सभी कर्मचारी एवं अधिकारियों के रजिस्ट्रेशन हो और जिन अधिकारियों कर्मचारियों ने अभी तक कोई कोर्स नहीं किया है वह अनिवार्य रूप से एक या दो कोर्स कर ले।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने किया औचक निरीक्षण, स्वच्छता में लापरवाही पर लगाया अर्थदंड

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन का अवलोकन करते हुए सभी कार्यालय प्रमुखों को इसकी सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए तथा स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कार्यालय भू-अभिलेख, लोक सेवा प्रबंधन, ई-गवर्नेंस आदि शाखाओं में स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान नहीं रखे जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारियों पर अर्थदंड आरोपित करते हुए उक्त राशि को रेड क्रॉस मद में जमा कराने के निर्देश दिए।

रोहना में एसआईआर के कार्य में सर्च नहीं हुये मतदाताओं की लिस्ट का वाचन किया

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्याप्रदेश में मतदात सूची गहन पुनरीक्षण के कार्य में जो नाम सर्च नहीं हो पा रहे हैं एवं जिनी मृत्यू हो चुकी है उनके नामों की सूची का वाचन मतदान केन्द्रों में किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सुपरवाईजर रामकुमार गौर की उपस्थिति में रोहना ग्राम के मतदान केन्द्र क्रमांक 13 एवं 14 में मतदाता सूची में मृत, बाहर चले गये मतदाता, जो मतदाता जानकारी नहीं दे रहे हैं उनकी सूची का वाचन किया गया। जिसमें मतदान केन्द्र क्रमांक 13 की सूची का वाचन बीएलओ प्रयास पुरी गोस्वांमी के द्वारा किया गया। उन्होने बताया कि इस मतदान केन्द्् में 7 मतदाता मृत हो चुके हैं 5 मतदाता बाहर चले गये हैं एवं 1 मतदाता की दोहरी प्रविष्टि है। इसी प्रकार मतदान केन्द्र क्रमांक 14 की सूची का वाचन बीएलओ अनिल मेहरा के द्वारा किया गया, जिसमें 10 मतदाता मृत हैं, 11 मतदाता बाहर चले गये हैं एवं 5 मतदाताओं के द्वारा जानकारी नहीं दी गई है। वाचन के बाद सुपरवाईजर रामकुमार, गौर बीएलओ प्रयास गोस्वावमी, अनिल मेहरा एवं सहायक शैल्वी पवार मतदाताओं के घर गये एवं जानकारी प्राप्त की। उक्त मतदाताओं के नाम रोल बेक कराकर पुनः प्रविष्टि की जायेगी। मतदाता सूची के वाचन में बीएलओ कल्यााण सिंह एवं दशरथ चौधरी, सरपंच शर्मिला राजपूत, सचिव विजय चौरे,मंडल उपाध्यक्ष प्रज्जव राजपूत, उपसरपंच दीपाली यादव, पटवारी ममता पथोरिया, ग्राम कोटवार छोटेलाल मेहरा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा साहू, सहायिका पूनम यादव, पंचायत कर्मी वीरेन्द्र मालवीय ग्रामवासी सुरेन्द्र यादव सहित मतदाता उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेले में सिकल सेल एनीमिया पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित

बैतूल (निप्र)। पुलिस ग्राउंड बैतूल में चल रहे स्वदेशी मेले में 7 दिसम्बर को सिकल सेल एनीमिया पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि स्वदेशी मेले के मंच पर सिकल सेल जागरूकता नाटक का प्रदर्शन एनएसएस की टीम द्वारा किया गया, जिसमें सिकल मरीज अंधविश्वास के कारण भगत-भुमका के पास झाड़फूक करवाने पहुंचता है, किन्तु झाड़फूक से आराम न मिलने पर ग्राम में पदस्थ स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा उचित परामर्श देकर सिकल सेल की जांच की जाती है एवं उसका उपचार पाजिटिव आने पर किया जाता है की नाटक के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। स्वदेश मेले के मंच परं पूर्व में राज्यपाल महोदय द्वारा लोकार्पण की गई जेनेटिक कुण्डली पर बनी सिकल सेल की डाक्यूमेंट्री दिखाई गयी कि शादी की कुण्डली मिलाने के पूर्व सिकल सेल की जांच करवाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में होने वाली संतान को इस आनुवांशिक बीमारी से बचाया जा सके। मंच पर मध्यप्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल सिकल सेल मित्र पर आधारित डाक्यूमेंट्री का विमोचन भी किया गया, जिसमें बताया कि सिकल सेल मित्र इस बीमारी से लड़ने में महत्वपूर्ण कड़ी है। स्वदेशी मेले में मंच से विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, श्री आदित्य बबला शुक्ला, श्री अबीजर हुसैन एवं सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे द्वारा सिकल सेल उन्मूलन अंतर्गत 125 दिवस में स्क्रीनिंग कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वास्थ्य टीम घोड़ाडोंगरी विकासखंड को प्रथम स्थान, स्वास्थ्य टीम भैंसदेही विकासखंड द्वितीय स्थान, स्वास्थ्य टीम सेहरा एवं स्वास्थ्य टीम शहरी क्षेत्र बैतूल तृतीय स्थान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा सिकल सेल मरीजों के लिए रक्तदान करने वाले रक्तदाता एवं सिकल मित्रों को भी मंच से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने सोमवार को लंबित आवेदनो की गहन समीक्षा की। उन्होंने समय सीमा में आवेदनो के निराकरणो पर विशेष बल दिया है। अपर कलेक्टर ने कहा कि हर एक विभाग के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन से संबंधित आवेदनो के निराकरण हेतु हर रोज सुबह और शाम कम से कम आधा-आधा घंटा पृथक से देना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि एल वन स्तर पर ही समस्याओं का निदान हो जिससे जिला व विभाग की ख्याति में वृद्धि होगी। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने कहा कि परख एप पर भ्रमण व निरीक्षण संबंधी तमाम जानकारियां विभागीय अधिकारी अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे।

इसके लिए जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को भी पृथक पृथक लॉगिंग आईडी प्रदाय की गई है। उन्होंने विशेष तौर पर स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, सहकारिता विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने बताया कि अब हरेक माह कलेक्टर, कमिश्नर कांफ्रेस होगी। अतः माहवार प्राप्त एजेण्डा बिन्दुओं के अनुसार विभागीय अधिकारी समय सीमा में आवेदनो के निराकरणो पर विशेष पहल करें।

जिला किसी भी विषय बिन्दुओं के अंतर्गत वाटम फाइव में शामिल ना रहे। उन्होंने बैठक के दौरान विभागो को भूमि आवंटन, निकाय क्षेत्रो में सर्वे, राजस्व वसूली तथा वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त होने वाले आवेदनो की पृथक से समीक्षा की है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन संबंधी नवम्बर माह की शिकायतो का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण कराना सुनिश्चित करें। पूर्वानुसार आवश्यकता पड़ने पर पृथक से शिविरो का आयोजन करें। उन्होंने आवेदको से संवाद बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि मासिक ग्रेडिंग सूची जारी होने से पहले सभी विभागों के आवेदनो का अधिक से अधिक संतुष्टिपूर्वक समाधान कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

विधायक श्री खंडेलवाल ने प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने के लिए किसानों को किया प्रेरित

पुलिस ग्रांउड में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्राकृतिक कृषि मेले का आयोजन

बैतूल (निप्र)। दो दिवसीय जिला स्तरीय प्राकृतिक कृषि मेले का आयोजन सोमवार से पुलिस ग्रांउड बैतूल में किया जा रहा है। मेले के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने किसानों को प्राकृतिक कृषि, जैविक खेती की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत में भारी कमी आती है, मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है और फसलों की सेहत बेहतर होती है। इसके अलावा उन्होंने किसानों को कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से सत्तक संपर्क में रहने की अपील करते हुए वैज्ञानिकों के द्वारा दी गई तकनीकों का कृषि में उपयोग करने का आह्वान किया। आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने कहा कि मानव स्वासस्थ के लिए प्राकृतिक उत्पाद एवं स्थानीय स्तर के उत्पादों का ज्यादा से ज्याादा उपयोग करने की सलाह दी। मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख ने किसानों को प्राकृतिक कृषि के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादित अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। उप संचालक कृषि डॉ.आनंद कुमार बडोनिया ने बताया कि मेले में किसानों को उन्नत तकनिक एवं प्राकृतिक कृषि का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। जिला स्तरीय प्राकृतिक मेला में महिला किसानों ने जीवामृत तैयार करने का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसे सभी अतिथियों एवं किसानों के द्वारा देखा गया। इसके अलावा अतिथियों के द्वारा सभी स्टाल का अवलोकन कर किसानों के उत्पाद को सराहा गया। वहीं मेले में कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा स्थानीय जलवायु अनुरूप कृषि कार्यमाला अपनाने के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस दौरान सभी सहयोगी विभाग जैसे उद्यानिकी एव खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, मत्स्यपालन, रेशमपालन आदि विभागों के द्वारा विभाग की प्रमुख योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। मेले में प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल, कृषि एजेंसी बैतूल गंज, श्री जयराम गायकवाड डेरी एवं आर्गेनिक कृषि फार्म ग्राम बघोली बैतूल, घोघीर एग्रोफेड फामर्स प्रोडयूसर कंपनी लिमि. बैतूल, प्रगति आजीविका फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमि.मुलताई, प्रत्याशा फाउंडेशन बैतूल ,सतपुडांचल किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड शाहपुर, श्रीजी शुगर मिल, प्रदान संस्था के द्वारा उत्पादित अनाज एवं विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन स्टाल लगाए गए।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संसद में शून्यकाल के दौरान आचार्य विद्यासागर जी महाराज के नाम पर ट्रेन का नाम रखने का प्रस्ताव

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा के चल रहे सत्र में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने भारतीय रेल की नव-संचालित जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस इंटरसिटी (11720) ट्रेन के नामकरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान इस दिशा में आकृष्ट करते हुए कहा कि देश की आध्यात्मिक धरोहर और सामाजिक परिवर्तन में अपना अमूल्य योगदान देने वाले जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज के नाम पर इस ट्रेन का नाम रखा जाना चाहिए। माया नारोलिया ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने अपने 58 वर्षों के दीक्षा जीवन में शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, गौ-सेवा और अहिंसा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया। उनके मार्गदर्शन में स्थापित 150 से अधिक शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाएँ आज लाखों विद्यार्थियों और परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

उन्होंने बताया कि आचार्यश्री का आध्यात्मिक प्रभाव केवल मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और कर्नाटक सहित अनेक राज्यों में उन्होंने करुणा और संयम का संदेश प्रचारित किया। प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री सहित कई शीर्ष नेताओं ने भी समय-समय पर उनके मार्गदर्शन की सराहना की है। सांसद श्रीमती नारोलिया ने सदन में स्पष्ट रूप से कहा कि देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं तथा विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों की यह लंबे समय से माँग है कि जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी ट्रेन का नाम 'आचार्य विद्यासागर इंटरसिटी ट्रेन' या 'मूकमाटी इंटरसिटी ट्रेन' रखा जाए, ताकि राष्ट्रसेवा और सदाचार के प्रतीक आचार्यश्री को उचित राष्ट्रीय श्रद्धांजलि दी जा सके।

लाडली बहन योजना से महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लाडली बहनों की जिंदगी बदल रही है। विदिशा जिले की लाडली बहनाएं इस योजना अंतर्गत प्रतिमाह 15 सौ रुपए की राशि मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित कर रही हैं। ऐसी ही एक कहानी है विदिशा की लाडली बहना श्रीमती शारदा रजक की। उन्होंने बताया कि इस योजना में उन्हें प्रतिमाह सहायता राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। अब यह राशि 1500 रुपये हो गई है जो उन्हें प्रतिमाह मिल रही है। मंगलवार 9 दिसंबर को मुख्यमंत्री जी ने इस योजना तहत 1500 की राशि का अंतरण किया है जिससे खुश होकर लाडली बहना श्रीमती शारदा रजक ने मुख्यमंत्री जी का आभार माना है। उन्होंने बताया कि इस योजना तहत 1500 रुपये मिलने से उनके स्वयं के खर्चों में बहुत सहयोग मिल पा रहा है। घर के छोटे-छोटे खर्चों में इस राशि के उपयोग से उन्हें बहुत सहायता हो जाती है।

जिले में 13 दिसम्बर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहनों को किया गया रवाना

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में आगामी दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाली वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार एवं आमजन को जागरूक करने के उददेश्य से मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर रायसेन से प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम), 138 चेक बाउंस, विद्युत, श्रम, भू-अर्जन, नगर पालिका निगम, के न्यायालय में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण सहित लगभग 14000 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गए हैं।

इन प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला एवं तहसील न्यायालयों में कुल 26 खंडपीठों का गठन किया गया है। जिसमें से 07 खंडपीठ जिला न्यायालय रायसेन एवं शेष 19 खंडपीठे तहसील न्यायालयों हेतु गठित की गयी है।

सांदीपनि विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के लिए हुए रवाना

नर्मदापुरम (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश की प्रोत्साहन योजना के तहत नर्मदापुरम संभाग के 14 सांदीपनि विद्यालयों के 31 मेधावी छात्रों और दो शिक्षकों का एक दल राज्य के बाहर गुजरात राज्य के उत्कृष्ट संस्थानों का शैक्षणिक भ्रणम पर प्रात: 10 बजे इटारसी स्टेशन से 'भारत गौरव स्पेशल ट्रेन' में सवार हुआ। 09से15दिसंबर तक चलने वाले इस शैक्षणिक भ्रमण में वे गुजरात के अहमदाबाद में आईआईएम, इसरो, अमूल डेयरी व चॉकलेट प्लांट, साइंस सिटी, सोमनाथ मंदिर, गांधी आश्रम और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे ज्ञानवर्धक स्थलों का भ्रमण करेंगे। ट्रेन में बैठने से पहले सभी को नाश्ता कराया गया। संभागीय समन्वयक सुदीप गौर ने बताया कि छात्र-छात्राएँ उत्साह से भरपूर हैं, और संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए इस यात्रा को प्रेरणादायक व लाभदायक बताया।

उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल के स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

अपर संचालक जनसंपर्क भोपाल का पदभार ग्रहण करेंगे

नर्मदापुरम (निप्र)। युक्त कार्यालय नर्मदापुरम में पदस्थ उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल के भोपाल स्थानांतरण पर आयुक्त कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा भावभिनी विदाई दी गई। श्री जायसवाल अब अपर संचालक जनसंपर्क भोपाल का पदभार ग्रहण करेंगे। आयुक्त सभा कक्ष में आयोजित विदाई समारोह में नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने श्री जायसवाल को अपर संचालक जनसंपर्क का नया दायित्व मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने श्री जायसवाल के स्थानांतरण पर उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि श्री जायसवाल की कमी हमेशा आयुक्त कार्यालय में महसूस की जाएगी। उन्होंने बिना डर एवं भय के शासकीय दायित्वों का निर्वहन किया और शासन हित में उपयोगी सलाह दी। कमिश्नर ने कहा कि श्री जायसवाल के व्यक्तित्व में जो विशेषताएं हैं वैसी विशेषताएं बहुत कम अधिकारियों में देखने को मिलती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्री जायसवाल सफलता की नई ऊंचाई को छुए। उन्होंने कहा कि आयुक्त कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को लंबे समय तक श्री जायसवाल की कमी महसूस होगी। उन्होंने कहा कि श्री जायसवाल को जीवन में और भी बेहतर से बेहतर अवसर मिले। कमिश्नर श्री तिवारी ने अपर संचालक जनसंपर्क बनने पर श्री जायसवाल को हार्दिक शुभकामनाएं दी। संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर ने कहा कि उन्हें ढाई साल तक श्री जायसवाल के साथ कार्य करने का सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहां की श्री जायसवाल बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। शासकीय दायित्वों के साथ-साथ अन्य प्रेरणादायी गतिविधियों में भी हमेशा आगे रहे। श्री डीएम पटेल ने कहा कि विदाई का पल सुखद है तो उदासी से भरा हुआ भी है।

उन्होंने कहा कि श्री जायसवाल ने एक अधिकारी के रूप में विभिन्न चुनौतियों का डटकर सामना किया और अपने अधीनस्थों को भी चुनौतियों का सामना करना सिखाया। उन्होंने उनके स्वस्थ जीवन की कामना की और कहां की नए दायित्व के साथ भी श्री जायसवाल के साथ सभी का समन्वय बना रहेगा। आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी श्री अवधेश मालवीय, श्रीमती अर्चना द्विवेदी आदि ने भी कहां की श्री जायसवाल हर कार्य क्षेत्र का पर्याप्त अनुभव रखते हैं और उन्होंने हमेशा मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायक मार्ग दिखाया। उपायुक्त राजस्व श्री जायसवाल ने कहा कि कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी के सानिध्य में काम करना उनके जीवन का एक सुखद पल रहा है। श्री तिवारी के जैसे सशक्त व्यक्तित्व के साथ काम करने का अवसर मिला और बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि ई ऑफिस सिस्टम के बेहतरीन क्रियान्वयन में कमिश्नर श्री तिवारी की प्रेरणा एवं नेतृत्व हमेशा साथ रहा। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम में उन्होंने टाइम प्रबंधन और मानवीय गुण एवं नेतृत्व सीखा। श्री जायसवाल ने कहा कि कमिश्नर श्री तिवारी की छत्रछाया एवं मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी कमियों को भी दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि बाकी कार्यालय की तुलना में आयुक्त कार्यालय शासन की विभिन्न योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कर रहा है। निष्पादन एवं डिलीवरी सिस्टम बेहतर है। उन्होंने इस अवसर पर सहयोग के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। विदाई समारोह में कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने श्री जायसवाल को शाल व श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। सभी अधिकारियों कर्मचारियों ने गुलदस्ता एवं पुष्प मालाओं से श्री जायसवाल को भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के संभागीय अधिकारी श्री कौशलेष तिवारी ने किया एवं आभार प्रकट श्री डीएम पटेल ने किया।

1 जनवरी से बदलेगी ट्रेनों की टाइमिंग

भोपाल मंडल की 25 गाड़ियां नए समय पर चलेंगी, नया टाइम-टेबल देखें

भोपाल (नप्र)। नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी 2026 से रेलवे प्रशासन ट्रेनों की नई समय-सारणी लागू करने जा रहा है। इसमें भोपाल मंडल की कुल 25 ट्रेनों के समय में आंशिक बदलाव किया गया है। कहीं ट्रेनों के प्रस्थान समय बदले हैं, तो कहीं आगमन समय में सुधार किया गया है। कई रूट्स पर ट्रेनों की औसत गति भी बढ़ाई गई है, जिससे यात्रा समय में कमी आएगी और यात्रियों को सुविधा मिलेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि नए टाइम-टेबल के लागू होने के बाद कई ट्रेनों का संचालन अब बेहतर समय पर होगा। यात्रियों को सलाह है कि यात्रा से पहले बदली हुई समय-सारणी जरूर जांच लें, ताकि किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

भोपाल और रानी कमलापति स्टेशन से चलने वाली ट्रेनें

● 22145 भोपाल-रीवा एक्सप्रेस, पहले- 11.05 पीएम, अब : 11.00 पीएम ● 19324 भोपाल-डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस, पहले : 5.00 पीएम, अब : 5.10 पीएम ● 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस, पहले : 4.55 पीएम, अब : 4.40 पीएम ● 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस पहले : 10.00 पीएम, अब : 9.55 पीएम ● 12197 भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस, पहले : 3.15 पीएम, अब : 3.10 पीएम ● 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस, पहले : 4.35 पीएम, अब : 4.30 पीएम ● 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस, पहले- 3.50 पीएम, अब : 3.40 पीएम ● 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल, पहले- 3.40 पीएम, अब- 3.20 पीएम ● 12185 रानी कमलापति-रीवा, पहले- 8.00 एम, अब : 7.55 एएम ● 11272 भोपाल-इटारसी, पहले : 12.30 पीएम, अब- 1.15 पीएम ● 11602 कटनी-बीना, पहले : 7.05 पीएम, अब : 8.00 पीएम ● 18236 बिलासपुर-भोपाल, पहले- 5.18 पीएम, अब- 5-00 पीएम ● 51884 ग्वालियर-बीना, पहले- 4.25 पीएम, अब- 4.20 पीएम ● 11603 कोटा-बीना, पहले- 4.55 पीएम, अब- 4.50 पीएम

विक्रांत भूरिया बोले- 33 हजार का आंकड़ा गलत

- **सिंगरौली में तीन लाख से ज्यादा पेड़ काटे गए, दूसरे दिन प्रभावित परिवारों से मिले कांग्रेसी**

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली में बड़े स्तर पर हो रही पेड़ कटाई को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दावा किया है कि जिले में पेड़ों की कटाई का आंकड़ा प्रशासन द्वारा बताए गए 33 हजार से कहीं ज्यादा है। उनका कहना है कि वास्तव में तीन लाख से अधिक पेड़ काटे गए हैं

और प्रशासन सही आंकड़े छिपा रहा है। विधायक बोले- कई पेड़ों पर नंबरिंग नहीं, फिर भी काट दिए गए भूरिया ने एक वीडियो जारी कर बताया कि जमीन पर निरीक्षण के दौरान कई ऐसे पेड़ मिले जिन पर नंबरिंग ही नहीं की गई थी, जबकि उन्हें भी काटा जा चुका था। उन्होंने कहा कि यदि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होती, तो हर पेड़ को नंबर देने के बाद ही काटने की अनुमति दी जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन असली स्थिति सामने नहीं आने देना चाहता। कांग्रेस विधायक भूरिया ने दावा किया कि पेड़ों की कटाई का आंकड़ा प्रशासन के आंकड़ों से कहीं ज्यादा है।

मीनाक्षी नटराजन बोलीं- कांग्रेस आदिवासियों की लड़ाई लड़ती रहेगी कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि सिंगरौली जिले से जुड़ी समस्याओं और आदिवासी समुदाय के मुद्दों को संसद में मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह जनता की लड़ाई है और कांग्रेस पूरी तरह उनके साथ खड़ी है।

नटराजन ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रभावित लोगों को न्याय नहीं मिलता, तब तक कांग्रेस आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ती रहेगी। यह मुद्दा राज्यसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी उठाया जाएगा।

अटलजी भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अटलजी के बताए मार्ग पर आगे बढ़ रही है सरकार

- **मुख्यमंत्री ने आंध्रप्रदेश के धर्मावरम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण**
- **मुख्यमंत्री अटल ज्योति संदेश यात्रा में हुए शामिल**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्र सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वे हिमालय के समान विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पूरी दुनिया में उनका एक अलग ही सम्मान है। वे भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे। आज आंध्र प्रदेश में उनके जन्मशताब्दी वर्ष में 15 दिवसीय अटल ज्योति संदेश यात्रा की शुरुआत हुई है। यह यात्रा आंध्र प्रदेश के 20 जिलों तक पहुंचेगी और 25 दिसंबर को स्व. वाजपेयी की जयंती के अवसर पर यात्रा का समापन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के सत्य साई जिले के धर्मावरम में स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ है। स्व. वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1923 को ग्वालियर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्होंने देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा के बल पर नाम कमाया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ श्री वाजपेयी के घनिष्ठ संबंध रहे। उनके कार्यकाल में ही श्री नायडू एनडीए के प्रेसिडेंट बने थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को धर्मावरम में अटल ज्योति संदेश यात्रा में सहभागिता की एवं स्व. वाजपेयी की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटलजी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनकर देश की जनता की सेवा की। पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। कारगिल में पाकिस्तान को सबक सिखाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सौगात दी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के बताए मार्ग पर देश की सरकार चल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायडू की दोस्ती पक्की है। श्री चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री हैं। वे आंध्र प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी विकास के पथ पर अग्रसर है। एनडीए ने भगवान श्रीकृष्ण के वंशज को मध्यप्रदेश की कमान सौंपी है। आंध्र प्रदेश में श्री नायडू ने सत्या जी को आगे बढ़ाया है। यही सबका साथ-सबका विकास का संकल्प है। जनता के चेहरे के भाव देखकर ऐसा लग रहा है कि आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश दो बिछड़े भाइयों के समान हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज, सागर माला, भारत माला, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाएं दी हैं। आज हम प्रधाममंत्री श्री मोदी और श्री नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश और देश को आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्र प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष श्री टीवीएन माधव को अटल ज्योति संदेश यात्रा के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अटल ज्योति संदेश यात्रा से आंध्र प्रदेश की जनता को स्व. वाजपेयी के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी कहते थे कि अपना हृदय विशाल बनाओ। सबके साथ, सबके लिए काम और विकास करो। स्व. वाजपेयी की पंक्तियां याद आती हैं- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।

भारत टॉकीज, बाग उमराव दूल्हा पर जाम से राहत के प्रयास

ट्रैफिक पुलिस ने की बैरीकेडिंग, ताकि रॉन्ग साइड नहीं जा सकें वाहन

भोपाल (नप्र)। भारत टॉकीज से लेकर बाग उमराव दूल्हा और पातरा अंडरब्रिज तक हर दिन लगने वाले भारी जाम की समस्या को लेकर बीती रात स्थानीय लोगों ने डीसीपी ट्रैफिक जीतेन्द्र सिंह पवार और एएसपी यातायात बसंत सिंह कोल से मुलाकात की थी। लोगों से बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे रोजाना घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों, खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। जनप्रतिनिधियों की बात सुनते हुए डीसीपी पवार ने मौके पर ही एसीपी ट्रैफिक विजय दुबे को निर्देश दिए कि वे क्षेत्र का तत्काल निरीक्षण करें और जाम की प्रमुख वजहों का आकलन कर जल्द से जल्द समाधान लागू कराएं। इस दौरान अनस अली, मोहम्मद अजहर, जीशान, मोहसिन सहित अन्य स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

बैरिकेट बदलकर रोकी जाएगी रॉन्ग साइड की आवाजाही- जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह ट्रैफिक पुलिस ने बोगदा पुल व भारत टॉकीज की ओर से आने वाले वाहनों के रूट पर सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी। बैरिकेट ब्रिज के सामने का हिस्सा पुनर्स्थापित किया जा रहा है, ताकि ऐशबाग, बाग उमराव दूल्हा और अशोका गार्डन की तरफ जाने वाले वाहन रॉग साइड में न घुसें।

अभी वाहन गलत दिशा से होते हुए पुलिया की ओर बढ़ जाते थे, जिससे सामने से आ रहे ट्रैफिक के बीच गुत्थमगुत्था की स्थिति बन जाती थी और पूरे कॉरिडोर में जाम लग जाता था। पुलिस के अनुसार बैरिकेट की सही प्लेसमेंट से रूट अनुशासित होगा और पीक अवर में लगने वाले जाम से लोगों को काफी राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की इस तेजी से की गई कार्रवाई का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि स्थायी समाधान के लिए आगे और सुधार भी किए जाएंगे।

पकड़ा-पटका और सिर से सटाकर मारीं 3 गोली

- **जबलपुर में बीच सड़क युवक की हत्या मोटरसाइकिल पर भाग निकले दोनों हमलावर**

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के सिहोरा में गुरुवार दोपहर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक पर जा रहे युवक को दो बदमाशों ने रोका। उसका पीछा किया। एक बदमाश ने उसे पकड़कर सड़क पर पटक दिया। दूसरे ने युवक से सिर से सटाकर तीन गोलियां चला दीं। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात का वीडियो भी सामने आया है।

वारदात खितौला थाना इलाके में बारीबहु स्टेडियम के पास गुरुवार दोपहर करीब एक बजे की है। हमलावर जिस मोटरसाइकिल पर आए थे, उसी पर बैठकर मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। युवक को सिहोरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान धर्मेंद्र सिंह ठाकुर उर्फ चिंटू (45) के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि धर्मेंद्र का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। हालांकि, पुलिस ने इस बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

एम.पी. ट्रांसको चलाएगी ''रोको-टोको'' अभियान

इंदौर की ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा फँसने से दो वर्षों में 13 बार बिजली बाधित

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने इंदौर शहर में ट्रांसमिशन लाइनों के नजदीक चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण उत्पन्न होने वाली संभावित दुर्घटनाओं और विद्युत व्यवधानों पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सतर्क व सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कंपनी इंदौर में विशेष ''रोको-टोको'' अभियान चलाएगी।

एम.पी. ट्रांसको की कार्यपालन अभियंता श्रीमती नमृता जैन ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में इंदौर क्षेत्र में 13 बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जब पतंग के साथ चायनीज मांझा ट्रांसमिशन लाइन के संपर्क में आया, जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित हुई, बल्कि ट्रांसमिशन लाइनें क्षतिग्रस्त भी हुईं।

चलाया जायेगा जागरूकता अभियान- रोको-टोको अभियान के तहत, एम.पी. ट्रांसको ने इंदौर के उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहाँ बहुतायत में पतंग उड़ाई जाती हैं। इन संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर, बैनर और पी.ए. सिस्टम के माध्यम से भी लोगों को सचेत और सतर्क किया जाएगा, ताकि जान-माल की हानि रोकी जा सके और उपभोक्ताओं को व्यापक क्षेत्र में बिजली के अनावश्यक लंबे व्यवधान का सामना न करना पड़े।

क्यों घातक है चायनीज मांझा- दरअसल, चायनीज मांझा, जो कि सामान्य सूती धागे से अलग होता है, विद्युत का सुचालक होने के कारण बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क में आने पर यह न केवल बिजली आपूर्ति में व्यवधान डालता है, बल्कि जान-माल की हानि का कारण भी बन सकता है। जब यह मांझा बिजली के तारों से टकराता है, तो इसमें मौजूद सामग्री के कारण करंट प्रवाहित हो सकता है, जिससे पतंग उड़ाने वाले और आसपास के लोगों को गंभीर खतरा होता है।

बनारसी बहुरिया के फेर में मत पड़ना... नई दुल्हन के हाथ से स्नैक्स खाकर ऐसे सोए ससुराली

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर जिले के नंदवेल गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक परिवार के नौ सदस्य उस वक्त बीमार पड़ गए जब उन्होंने नई बहू द्वारा बनाए गए स्नैक्स खाए। यह नई बहू शादी के महज़ 20 दिन पहले ही घर आई थी। इस घटना के बाद, महिला कथित तौर पर लाखों रुपये के कैश और गहने लेकर फरार हो गई। परिवार के अनुसार, शादी 20 नवंबर को हुई थी। दूल्हे के परिवार ने एक बिचौलिए के ज़रिए यह रिश्ता तय किया था।

शुरुआत में लगी संस्कारी- दुल्हन की पहचान ज्योति के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी की रहने वाली है। उसे शादी के बाद मंदसौर लाया गया। शादी का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया था और परिवार का कहना है कि उन्होंने शादी की तैयारियों पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च किए थे।

फेक न्यूज और अफवाह से हुआ उपद्रव

वीआईटी यूनिवर्सिटी ने सरकार को भेजा जवाब, कहा- 17 हजार छात्रों में सिर्फ 35 को पीलिया हुआ

भोपाल (नप्र)। राज्य सरकार के जारी शो-कॉज नोटिस के जवाब में वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी ने 49 पन्नों का विस्तृत रिप्लाई भेजते हुए आरोपों को भ्रमजनक, तथ्यहीन और गलत जानकारी पर आधारित बताया है। विश्वविद्यालय ने कहा कि संस्था में भोजन गुणवत्ता, जल शुद्धिकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं, हॉस्टल प्रशासन और छात्र सुरक्षा से जुड़े सभी प्रावधान मानकों के अनुरूप हैं। वहीं, हालिया विरोध-प्रदर्शन फर्जी खबरों और सोशल मीडिया अफवाहों से प्रेरित था।

खाद्य व पानी की गुणवत्ता पर सफाई दी

वीआईटी प्रशासन ने कहा कि विश्वविद्यालय में 8 बॉयज और 2 गर्ल्स हॉस्टल हैं, जिनके लिए इंदौर, भोपाल और चेन्नई के प्रतिष्ठित केटरर्स से भोजन व्यवस्था की जाती है। मासिक आधार पर स्टूडेंट फूड कमेटी भोजन मेन्यू तय करती है और छात्र फीडबैक पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। आईएसओ10500 मानकों के अनुसार पानी की नियमित जांच होती है और उन्नत ओजोनाइजर, सैंड फिल्टर्स और वॉटर सॉफ्टनर लगाए गए हैं।

कैंपस में टेस्टिंग लैब स्थापित करेंगे- प्रबंधन ने सरकार को भेजे जवाब में लिखा है कि जल्द ही कैंपस में फूड और वॉटर टेस्टिंग लैब स्थापित की जा रही है, जिसके परिणाम विश्वविद्यालय पोर्टल पर सार्वजनिक किए जाएंगे।

यूनिवर्सिटी ने दावा किया कि 17121 छात्रों में से केवल 35 विद्यार्थियों में ही पीलिया के लक्षण पाए गए, और उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता प्रदान की गई। प्रबंधन के मुताबिक संस्थान में 9271 बॉयज और 3870 गर्ल्स स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने बताया कि कैंपस में 8-बेड की मेडिकल सुविधा, 4 डॉक्टर और 6 नर्सें 24 घंटे उपलब्ध रहती हैं। गंभीर मामलों में छात्रों को चिरायु अस्पताल और अन्य मान्यता प्राप्त अस्पतालों में भेजा जाता है। छात्रों की मेडिकल रिपोर्ट न दिए जाने का आरोप तथ्यहीन बताया गया और कहा कि यह रिकॉर्ड पहले ही समिति को सौंपा जा चुका है।

पोर्न स्टार बनने की सनक...पत्नी का अश्लील वीडियो किया वायरल

13 मिनट की रिकॉर्डिंग कर रिश्तेदारों को भेजा, 7 महीने पहले हुई थी शादी

रीवा (नप्र)। पोर्न स्टार बनने की सनक में रीवा के एक युवक ने अपनी पत्नी का अश्लील वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अभी वह फरार है। उसकी लोकेशन मुंबई में ट्रेस हुई है। मामले में पुलिस ने जांच की तो पता चला कि आरोपी लंबे समय से पोर्न साइट्स देखने का आदी था। वह पोर्न वीडियो के किरदारों को अपना आइडल मानता था और खुद को स्टार बनाने की चाहत में पत्नी के साथ 13 मिनट 14 सेकंड का निजी वीडियो रिकॉर्ड किया।

जब पत्नी ने वीडियो वायरल होने पर इसका विरोध किया तो आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह जानबूझकर किया है और उसे कोई पछतावा नहीं है। उसका मकसद था कि लोग वीडियो देखकर उसे पहचानें और वह पॉपुलर हो जाए।

पीड़िता बोली- मेरी जिंदगी तबाह कर दी, वह इंसान नहीं दरिंदा है- वीडियो वायरल होने से आहत पीड़िता ने बताया कि आरोपी पति ने वीडियो रिश्तेदारों और दोस्तों तक भेज दिया, जिससे वह सामाजिक रूप से अपमानित महसूस कर रही है। उसने कहा, उसने मुझे कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा। अब हर जगह से फोन आ रहे हैं। मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। वह इंसान नहीं, दरिंदा है।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उठाया घिनौना कदम- भाई-पीड़िता के भाई ने आरोप लगाया कि शादी 10 मई को हुई थी। शुरुआत से ही दहेज को लेकर तनाव बना हुआ था। शादी से पहले भी 3 लाख रुपए की मांग की गई थी, जिसमें से 2 लाख रुपए दिए गए थे। शेष रकम के लिए आरोपी लगातार दबाव बना रहा था।